RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

अब डरकर कानून से, मत रहना चुपचाप।
बे-खटके मां-बहन की, कर सकते अब आप।
कर सकते अब आप, कीजिए बोल-बुलैया।
महामहिम ने कहा, नहीं यह क्राइम भैया।
कह साहिल कविराय, गालियां दीजे जमकर।
मत रहना चुपचाप, अदालत से अब डरकर।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 177 | MONDAY DATE 20-07-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

संक्षिप्त खबरें

चढ़ावा चोरी की स्वतंत्र जांच कराएं मोदी : राहुल

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 19 जुलाई । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से श्रीराम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा दिए चढ़ावे में चोरी के मामले में तत्काल स्वतंत्र जांच कराने, पूरा हिसाब सार्वजनिक करने और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। श्री गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि श्रीराम मंदिर में करोड़ों श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था के साथ अपनी कमाई अर्पित की, लेकिन वहां हुई ह्यचंदा चोरीह्ल अब किसी से छिपी नहीं है। ट्रस्ट के हर सदस्य का चयन केंद्र सरकार ने किया था इसलिए इस मामले पर प्रधानमंत्री की चुप्पी अस्वीकार्य है। उन्होंने श्री मोदी से आग्रह किया कि इस मामले की तत्काल स्वतंत्र जांच कराई जाए, ट्रस्ट का पूरा हिसाब सार्वजनिक किया जाए और दोषियों को कानून के कटघरे में लाया जाए। श्री गांधी ने कहा कि सरकार की विश्वसनीयता अब उसकी कार्रवाई पर निर्भर है।

पंजाब के सरकारी स्कूलों के 881 छात्रों ने नीट पास करके नया इतिहास रचा: भगवंत मान

चंडीगढ़, यूटर्न/ 19 जुलाई । पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्य में नीट की परीक्षा पास करने वाले छात्रों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। इसके साथ ही उन्होंने पंजाब शिक्षा क्रांति की शानदार उपलब्धि बताया है। भगवंत मान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक पर एक पोस्ट में लिखा, 'पंजाब शिक्षा क्रांति की शानदार उपलब्धि! पंजाब के सरकारी स्कूलों के 881 विद्यार्थियों ने इस साल नीट पास करके नया इतिहास रचा है। 2024 में यह संख्या 437 थी। यह सफलता शिक्षा क्रांति, अध्यापकों की मेहनत और विद्यार्थियों के समर्पण का नतीजा है। सभी सफल विद्यार्थियों, उनके माता-पिता और अध्यापकों को दिल से मुबारकबाद!' इससे पहले उन्होंने नीट-यूजी परीक्षा में ह्यऑल इंडिया रैंक 1ह्ल हासिल करने वाली लुधियाना के छात्र आर्यन गुप्ता को बधाई दी।

गाली-गलौज या अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता नहीं होती: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जुलाई । सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि गाली-गलौज या अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता के दायरे में नहीं आता है। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि कोई शब्द तभी अश्लील माना जाएगा, जब वह कामुकता को बढ़ावा देने वाला हो या लोगों को भ्रष्ट करने की प्रवृत्ति रखता हो। कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु के एक मामले में सुनवाई करते हुए की। आरोपी मणि को जमीन विवाद के दौरान मां की गाली देने के लिए अश्लीलता के आरोप में दोषी ठहराया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त 2017 में जमीन विवाद को लेकर आरोपी ने शिकायतकर्ता के साथ गाली-गलौज की थी। पीड़ित का आरोप था कि आरोपी ने जातिसूचक शब्द भी कहे। बाद में घर से हथियार लाकर हमला कर दिया, जिससे उसकी नाक की हड्डी टूट गई। सुप्रीम कोर्ट ने अश्लीलता और आपराधिक धमकी के आरोपों से आरोपी को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि गाली देने से किसी को परेशानी हुई, यह साबित नहीं हुआ। हालांकि, शिकायतकर्ता को गंभीर चोट पहुंचाने के मामले में उसकी सजा बरकरार रखी है। आरोपी की उम्र करीब 70 साल होने और स्वास्थ्य स्थितियों को देखते हुए कोर्ट ने उसकी सजा को घटाकर कोर्ट उठने तक की सजा दी।

भारतीय शिल्प से बढ़ेगी अर्थव्यवस्था: मोदी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जुलाई ।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि इनोवेशन और वैश्विक साझेदारियों के जरिए पारंपरिक भारतीय शिल्प कौशल आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभा सकती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से लिखे गए आर्टिकल को साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि 'एक जिला, एक उत्पाद' पहल स्थानीय शिल्पों को बाजार तक पहुंच हासिल करने, स्थायी आजीविका सृजित करने, विरासत को संरक्षित करने और भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने में मदद कर रही है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि चेन्नई स्थित 'वस्त्रकला' इस बात का उदाहरण है कि फ्रांस जैसे देशों के साथ सहयोग भारतीय कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने में कैसे मदद कर सकता है।

उन्होंने बताया कि हाल ही में पेरिस में आयोजित एक निवेशकों की बैठक के दौरान भारत में फ्रांस के राजदूत ने 'वस्त्रकला' का जिक्र किया था। यह भारत-फ्रांस की साझेदारी का एक अनूठा उदाहरण है, जिसने फ्रांस की हाउट कूचर यानी उच्चस्तरीय फैशन कला को भारत की सदियों पुरानी कढ़ाई परंपरा के साथ जोड़ा है। भारत लौटने के बाद वित्त मंत्री चेन्नई के निकट तिरुवल्लूर जिले के गुडापक्कम स्थित वस्त्रकला की कार्यशाला गई थीं।

वित्त मंत्री ने कहा कि कारीगरों की टीम के साथ दोपहर का भोजन करते समय उन्हें पता चला कि वस्त्रकला ने जानबूझकर अपनी पहली चेन्नई स्थित कार्यशाला को गुडापक्कम स्थानांतरित किया, ताकि पीढ़ियों से इन पारंपरिक कौशलों को संजोए हुए गांवों के लोगों तक उच्च मूल्य वाले रोजगार पहुंचाए जा सकें। यह मानो समय का पहिया उल्टा घूम गया हो। आमतौर पर युवा रोजगार के लिए गांवों से शहरों की ओर पलायन करते हैं, लेकिन यहां एक कंपनी ने शहर छोड़कर गांव में बसने का फैसला किया।

वित्त मंत्री ने बताया कि वस्त्रकला कांचीपुरम-श्रीपेरंबुदूर-तिरुवल्लूर के सूखा-प्रभावित क्षेत्र में स्थित है।

उन्होंने कहा, 'पुराने समय में जब बारिश नहीं होती थी, तो खेती का काम रुक जाता था। जब हल चलना बंद हो जाता था, तब किसान सुई-धागा उठाकर सूती और रेशमी कपड़ों पर सुंदर कढ़ाई किया करते थे। अपनी रचनात्मकता के बल पर ग्रामीण सूखे की कठिनाइयों का सामना कर लेते थे। यह कला असाधारण धैर्य, बारीकी और अनुशासन की मांग करती है, और ये गुण शुष्क क्षेत्रों के किसानों में भरपूर होते हैं।'

नीट मामले पर विपक्ष ने सोनम वांगचुक को मोहरा बनाया: मल्होत्रा

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 19 जुलाई । दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने विपक्षी दलों पर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के मुद्दे पर सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को मोहरा बनाने का आरोप लगाया है। श्री मल्होत्रा ने श्री वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से निजी अस्पताल में भर्ती कराने को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय में दाखिल याचिका पर तत्काल राहत नहीं मिलने पर रविवार को प्रतिक्रिया व्यक्त की।

उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि श्री वांगचुक के अनशन मामले में जिस तरह आज दिल्ली उच्च न्यायालय से अंतरिम राहत मांगने के लिए सांसद कपिल सिब्बल और विवेक तनखा जैसे बड़े और महंगे वकील पेश हुए, उससे स्पष्ट हो जाता है कि श्री वांगचुक सामाजिक कार्यकर्ता नाते नहीं, बल्कि बल्कि देश के पूरे विपक्ष के राजनीतिक मोहरे के रूप में धरने पर बैठे थे। उन्होंने कहा कि पुलिस ने श्री वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाने की जो भी कार्रवाई की, वह दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश अनुरूप था और शायद उसी के मद्देनजर न्यायालय ने श्री वांगचुक की ओर से दाखिल याचिका पर अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि 'नीट' पेपर लीक मामले में आम आदमी पार्टी, वाम दल और कांग्रेस पार्टी की ओर से प्रायोजित इस धरने में श्री वांगचुक अनशन पर 28 जून को बैठे, जबकि 'नीट' की पुनः परीक्षा 21 जून हो गयी थी।

अमित शाह ने कोलकाता में ह्यम्यूजियम ऑफ वर्डह्ल का किया उद्घाटन, बोले- भाषा के बिना संस्कृति अधूरी

» **कोलकाता, यूटर्न/ 19 जुलाई ।**

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कोलकाता में नेशनल लाइब्रेरी और नेशनल काउंसिल ऑफ साइंस म्यूजियम द्वारा बनाए ह्यम्यूजियम ऑफ वर्डह्ल के पहले फेज का लोकार्पण किया। इस दौरान एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक पुनरुत्थान की इसी मूल कमी को कोलकाता का ये संग्रहालय (म्यूजियम ऑफ वर्ड) पूरा करेगा, इसका मुझे पूरा विश्वास है।

उन्होंने कहा कि किसी भी देश या प्रदेश की संस्कृति की अभिव्यक्ति भाषा के बिना संभव ही नहीं हो सकती और भाव से उत्पन्न शब्दों के बिना भाषा बन ही नहीं सकती। जब तक हमारी आने वाली पीढ़ियां यह नहीं जानेंगी कि भाषा शब्दों से बनती है, शब्द भाव से उत्पन्न होते हैं और भाषा के माध्यम से संस्कृति की अभिव्यक्ति होती है, तब तक इस देश का सांस्कृतिक पुनरुत्थान संभव नहीं हो सकता। आज देशभर की भाषाओं और संस्कृति के लिए बहुत बड़ा दिन है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का जो संकल्प लिया है, उस दिशा में आज महत्वपूर्ण पड़ाव पार किया गया।

उन्होंने कहा कि आज एक प्रकार से देशभर की भाषाओं और देश की संस्कृति के लिए बहुत बड़ा दिन है। क्योंकि आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का जो संकल्प लिया है, उसका महत्वपूर्ण पड़ाव आज पार कर रहे हैं। किसी भी देश की और किसी प्रदेश की संस्कृति भाषा के बिना संभव हो ही नहीं सकती और भाव से उत्पन्न शब्दों के बगैर भाषा बन ही नहीं सकती है।

सर्वदलीय बैठक अच्छे माहौल में हुई, संसद चलाने में विपक्ष से सहयोग की अपील : किरेन रिजिजू

» **नयी दिल्ली, यूटर्न/ 19 जुलाई ।**

संसद के मानसून सत्र से पहले रविवार को यहां हुई सर्वदलीय बैठक में सरकार ने विपक्ष से सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने में सहयोग की अपील करते हुए विपक्ष को भरोसा दिया है कि उसके सभी मुद्दों पर चर्चा कराई जाएगी और सत्र के दौरान लाए जाने वाले विधेयकों की जानकारी भी पहले से विपक्षी दलों को दी जाएगी।

करीब तीन घंटे तक चली बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संवाददाताओं से कहा कि सर्वदलीय बैठक अच्छे और सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई, जिसमें सभी राजनीतिक दलों ने अपने सुझाव और विचार रखे।

सरकार ने सभी सुझावों को गंभीरता से सुना है और उन पर ध्यान दिया है।

उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में हर दल को अपनी बात रखने की पूरी स्वतंत्रता है और सरकार चाहती है कि संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चले। उन्होंने कहा कि सरकार विपक्ष द्वारा उठाए जाने वाले सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। मानसून सत्र के लिए फिलहाल आठ विधेयक सूचीबद्ध किए गए हैं और यदि कोई अतिरिक्त विधायी कार्य होगा तो संसदीय परंपराओं के अनुरूप उसकी जानकारी भी पहले से राजनीतिक दलों को दी जाएगी। उनका कहना था कि संसद की कार्यवाही बाधित होने से किसी को राजनीतिक लाभ नहीं मिलता, बल्कि लोकतंत्र प्रभावित होता है और जनता के समय तथा धन की बबार्दी होती है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सोनम वांगचुक को मेदांता शिफ्ट करने से किया इनकार, 24 जुलाई को अगली सुनवाई

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जुलाई ।**

दिल्ली हाईकोर्ट ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से निजी अस्पताल मेदांता स्थानांतरित किए जाने की मांग पर फिलहाल राहत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि मौजूदा परिस्थितियों में वांगचुक का इलाज सरकारी अस्पताल सफदरजंग में ही जारी रहेगा। कोर्ट ने उनकी पत्नी गीतांजलि आंगमो की याचिका पर केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी।

जस्टिस मिनी पुष्करणा की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि सोनम वांगचुक को स्वास्थ्य कारणों से अस्पताल में भर्ती करने का निर्णय पूरी तरह कानून के दायरे में लिया गया था। अदालत ने यह भी कहा कि हर जीवन अनमोल है और वांगचुक के इलाज में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती जा रही है।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सोनम वांगचुक इलाज के दौरान डॉक्टरों का सहयोग करेंगे। यदि वह चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुरूप दवाएं लेने से इनकार करते हैं, तो डॉक्टर उनके स्वास्थ्य हित में आवश्यक उपचार उपलब्ध कराएंगे। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी सेहत को लेकर अंतिम निर्णय अस्पताल की मेडिकल टीम ही करेगी। साथ ही कहा गया कि सफदरजंग अस्पताल में डॉक्टर लगातार उनकी निगरानी कर रहे हैं और ऐसा कोई आधार नहीं है जिससे यह कहा जा सके कि उन्हें जबरन दवा या इलाज दिया जा रहा है। सुनवाई के दौरान एम्स की चिकित्सा टीम से जुड़े असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अक्षय ने अदालत को बताया कि वांगचुक की लगातार निगरानी की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

पति ने पत्नी को कैंची से गोदकर मार डाला, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जुलाई । दिल्ली के गौतमपुरी में गली नंबर 9 की तीसरी मंजिल पर महिला की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने पत्नी की हत्या में शामिल पति को 48 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पति मुरादाबाद से पकड़ा गया है। पुलिस के अनुसार, 16 जुलाई को शाम लगभग 7:32 बजे, सीलमपुर पुलिस स्टेशन को दिल्ली के गौतमपुरी में गली नंबर 9, तीसरी मंजिल पर एक महिला की हत्या की सूचना मिली थी। पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची, जहां 45 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल अवस्था में खून से लथपथ पड़ी मिली। उसे तुरंत जेपीसी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। क्राइम टीम और एफएसएल की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और बारीकी से सबूत इकट्ठा किए। शव को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। शुरूआती जांच के दौरान और घटना के तुरंत बाद मृतका का पति सलीम घर से गायब पाया गया, जिससे वह मुख्य संदिग्ध बन गया।

घर में घुसे चोरों का फुटेज वायरल, एक माह बाद भी आरोपी पकड़ से बाहर

गाजियाबाद, यूटर्न/ 19 जुलाई । कविनगर थाना क्षेत्र की गोविंदपुरम स्थित घर में अलमारी का लॉक ठीक करने पहुंचे बदमाश नकदी और गहने चोरी कर ले गए। वारदात को करीब 30 दिन हो चुके हैं। इसके बावजूद कविनगर पुलिस ने उन्हें खोजना तो दूर उनके बारे में जानकारी तक नहीं जुटाई। पीड़ित ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और वायरल कर दिए। फुटेज में स्पष्ट दिखने वाले आरोपियों को कविनगर पुलिस एक माह के अंतराल में भी गिरफ्तार नहीं कर सकी है। गोविंदपुरम में रहने वाले जितेश कुमार के मुताबिक 19 जून 2026 की दोपहर अलमारी का लॉक ठीक कराने के लिए ताले बेचने वालों को घर बुलाया गया। दोनों ने लॉक ठीक करने का प्रयास किया, लेकिन असफल होने की बात कहकर लौट गए। उसके बाद वह 21 जून को खुद ही घर पहुंचे। इस दौरान उनके बुजुर्ग माता-पिता ही मकान पर मौजूद थे। आरोपी घर में घुस आए और लॉक की मरम्मत करने के बहाने दरवाजा बंद कर लिया। एक घंटे बाद दोनों अपनी-अपनी साइकिल पर सवार होकर चले गए।

डीडीए ने इस सीजन में लक्षित 23 लाख पौधों में से 6 .62 लाख पौधे लगाए

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जुलाई ।**

दिल्ली के उपराज्यपाल टीएस संधू के नेतृत्व में डीडीए ने कुछ ही दिनों में 6.62 लाख से अधिक पौधे लगाए हैं। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि चल रहे मेगा वृक्षारोपण अभियान के तहत डीडीए ने 23 लाख पौधों के लक्ष्य का लगभग 30 प्रतिशत हासिल कर लिया है।

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अध्यक्ष संधू ने डीडीए को पारिस्थितिक बहाली, पर्यावरण स्थिरता और दिल्ली के हरित अवसंरचना के विस्तार के लिए उपाय करने का निर्देश दिया था।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि उपराज्यपाल ने निर्देश दिया है कि विभागों द्वारा निरंतर निगरानी सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि लगाए गए पौधे जीवित भी रहें। जुलाई के पहले सप्ताह में शुरू हुआ और सितंबर 2026 के मध्य तक चलने वाला यह वृक्षारोपण अभियान, स्थानीय और जलवायु-प्रतिरोधी प्रजातियों के रोपण पर केंद्रित है। बयान में कहा गया है कि जैव विविधता बढ़ाने के अलावा, इस वृक्षारोपण अभियान का उद्देश्य कार्बन पृथक्करण क्षमता को मजबूत करना, सूक्ष्म जलवायु विनियमन में सुधार करना और दिल्ली की हरित प्रणालियों में पारिस्थितिक संपर्क को बढ़ाना है। बयान में यह भी कहा गया है कि इससे वायु गुणवत्ता, भूजल पुनर्भरण, पयार्वास निर्माण और समग्र शहरी जीवन स्तर में सुधार लाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है। बयान में कहा गया है कि 7 जुलाई को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ह्यएक पेड़ मां के नामह्ल अभियान के तहत 70 लाख वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया, जिसमें डीडीए द्वारा 23 लाख वृक्षारोपण शामिल है। इस अभियान का उद्देश्य वृक्षारोपण को जन आंदोलन में बदलना है, और इसके लिए डीडीए ने रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक संगठनों, स्वयंसेवी समूहों और कॉर्पोरेट संस्थानों के साथ साझेदारी की है ताकि सक्रिय जनभागीदारी को प्रोत्साहित किया जा सके और दिल्ली की हरित संपत्तियों के प्रति साझा स्वामित्व की भावना को बढ़ावा दिया जा सके।

वीबी-जी-राम-जी योजना के तहत गांव लाडवा जिला हिसार में पहली अर्जुन वाटिका का उद्घाटन

» **हरियाणा, यूटर्न/ 19 जुलाई ।**

ग्राम पंचायत लाडवा में आज वीबी-जी-राम-जी योजना के अंतर्गत पहली 'अर्जुन वाटिका' का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर वीबीजी रामजी योजना में पंजीकृत श्रमिकों द्वारा 500 पौधों का रोपण किया गया। यह पहल पर्यावरण संरक्षण, हरित ग्राम निर्माण तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता रामचंद्र गंगवा रहे। उन्होंने पौधरोपण कार्यक्रम में भाग लेते हुए उपस्थित ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर डॉ. सुभाष चन्द्र, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, डीआरडीए एवं जिला परिषद, हिसार ने सभी उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वीबीजी राम जी योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी सशक्त बनाने का कार्य कर रही है। उन्होंने बताया यह अर्जुन वाटिका जिले की पहली है। ग्राम पंचायतों में अर्जुन वाटिकाओं की स्थापना भविष्य में ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरणीय संतुलन को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर ग्राम पंचायत लाडवा के सरपंच रामफल पुनिया ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए ग्राम पंचायत द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों, वीबी-जी-राम-जी योजना से जुड़े श्रमिकों तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी सहभागिता की।

नीट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अग्रवाल समाज के विद्यार्थियों का श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत ने किया सम्मान

» **अश्विनी वालिया**

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 19 जुलाई । श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत कुरुक्षेत्र द्वारा नीट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुरुक्षेत्र जिले में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले अग्रवाल समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों पनव अग्रवाल और रयान गुप्ता को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के प्रधान विशाल सिंगला ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे अग्रवाल समाज और कुरुक्षेत्र जिले के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प से प्राप्त यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। पंचायत भविष्य में भी समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करती रहेगी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के अभिभावकों को भी बधाई दी गई और उनके मार्गदर्शन एवं सहयोग की सराहना की गई। सभी उपस्थित सदस्यों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य, सफल चिकित्सकीय जीवन तथा समाज सेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर डा. के.सी. अग्रवाल , डा.पी. के. अग्रवाल, डा. अजय अग्रवाल, डा. प्रेरणा अग्रवाल, डा. ऋषिपाल गुप्ता, डा. दीपाली गोयल, प्रधान विशाल सिंगला, एपीएस प्रधान नितिन गोयल, शालिन गोयल, महासचिव नवकेतन गोयल, कैशियर विशेष गर्ग, गौरव मित्तल, कुलवंत गर्ग, साया प्रधान नवीन बंसल सहित अन्य गणमान्य सदस्य मौजूद रहे।

वीबी-जी-राम-जी योजना के तहत गांव लाडवा जिला हिसार में पहली अर्जुन वाटिका का उद्घाटन

हरियाणा, यूटर्न/ 19 जुलाई । ग्राम पंचायत लाडवा में आज वीबी-जी-राम-जी योजना के अंतर्गत पहली 'अर्जुन वाटिका' का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर वीबीजी रामजी योजना में पंजीकृत श्रमिकों द्वारा 500 पौधों का रोपण किया गया। यह पहल पर्यावरण संरक्षण, हरित ग्राम निर्माण तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता रामचंद्र गंगवा रहे। उन्होंने पौधरोपण कार्यक्रम में भाग लेते हुए उपस्थित ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर डॉ. सुभाष चन्द्र, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, डीआरडीए एवं जिला परिषद, हिसार ने सभी उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वीबीजी राम जी योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी सशक्त बनाने का कार्य कर रही है। उन्होंने बताया यह अर्जुन वाटिका जिले की पहली है। ग्राम पंचायतों में अर्जुन वाटिकाओं की स्थापना भविष्य में ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरणीय संतुलन को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

दिल्ली के जहांगीरपुर में पिता पर 13 साल की नाबालिग बेटी के यौन उत्पीड़न का आरोप, आरोपी की तलाश

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जुलाई**

दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में एक व्यक्ति पर अपनी ही 13 साल की बेटी के यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक, किशोरी की मां की शिकायत पर महिंद्रा पार्क पुलिस स्टेशन में पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। इसके बाद आरोपी पिता के फरार होने की खबर मिली। किशोरी ने बताया कि उसके पिता शाकिर अली उसकी दादी के साथ बादली गांव में रहते हैं, जबकि वह अपनी मां और अपने 10 साल के भाई के साथ जहांगीरपुरी में रहती है। 7 जुलाई को जब उसकी मां और भाई घर पर नहीं थे तो उसके पिता उनके घर आए।

पुलिस ने कहा कि इस दौरान उसने कथित तौर पर उसकी मर्जी के खिलाफ उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए और किसी को भी इस बारे में बताने पर उसे और उसकी मां को जान से मारने की धमकी दी। आरोपी फरार है और उसे ढूंढने और पकड़ने की कोशिश की जा रही है। इस मामले में और जानकारी का इंतजार है। इसी तरह का एक मामला कुछ माह पूर्व राजधानी दिल्ली से प्रकाश में आया था। यहां एक सौतेले पिता पर बेटी की इज्जत लूटने का आरोप लगा था। नाबालिग लड़की अपने सौतेले पिता के इस घिनौने जुर्म के बाद प्रेग्नेंट हो गई थी।

मानसून सत्र में विपक्ष का सरकार पर हमला, राम मंदिर चढ़ावा, नीट पेपर लीक और महंगाई पर मांगेगा जवाब

नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जुलाई । कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने रविवार को कहा कि वे संसद के मानसून सत्र में केंद्र सरकार से कई अहम मुद्दों पर जवाब मांगेंगे। इनमें अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी, नीट-यूजी पेपर लीक का मामला और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को उनकी इच्छा के खिलाफ अस्पताल में भर्ती कराने का मुद्दा प्रमुख रूप से उठाया जाएगा। आईएएनएस से बात करते हुए कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने कहा, 'हम निश्चित रूप से कई मुद्दे उठाएंगे। इनमें छात्रों से जुड़े मुद्दे, राम मंदिर में चोरी और बढ़ती महंगाई जैसे मामले शामिल हैं। सरकार लोगों की चिंताओं को न तो देखती है और न ही सुनती है। महंगाई बढ़ रही है। पेट्रोल की कीमतें बढ़ाई गई हैं लेकिन सरकार अपनी नीति के बारे में कुछ नहीं बता रही है।' न्होंने आगे कहा, 'इथेनॉल के मुद्दे पर एक्सपर्ट्स कुछ भी समझाने में असमर्थ हैं और इसका खामियाजा कंज्यूमर्स को भुगतना पड़ रहा है।' केंद्र द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, 'मेरा मानना है कि आज देश के सामने कई ऐसे मुद्दे हैं, जो सरकार द्वारा पेश किए जाने वाले बिलों से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हैं।

आईपीआरईयू द्वारा जारी आंदोलन के बीच आईओसीएल प्रबंधन का तथ्यात्मक ब्यान

» निर्मल सिंह विर्क

प्रबंधन और युनियन के बीच आयोजित मीटिंगों का हवाला देकर मीडिया के सामने रखा, पक्ष

पानीपत, यूटर्न/ 19 जुलाई । स्थानीय मीडिया के कुछ वर्गों में इंडियन ऑयल पानीपत रिफाइनरी कर्मचारी यूनियन द्वारा रिफाइनरी टाउनशिप के गेट नंबर-2 पर शुरू की गई अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के संबंध में समाचार प्रकाशित किए गए हैं। इस संबंध में सभी हितधारकों की जानकारी के लिए इंडियनऑयल, पानीपत रिफाइनरी निम्नलिखित तथ्य प्रस्तुत करती है।

आईपीआरईयू ने 17 जुलाई 2026 को प्रातः 10:30 बजे रिफाइनरी टाउनशिप के गेट नंबर-2 पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की, जिसमें यूनियन के चार प्रतिनिधि भूख हड़ताल पर बैठे हैं। यह कदम रिफाइनरी प्रबंधन द्वारा बार-बार की गई अपीलों तथा आंदोलन न करने के लिए किए गए लगातार प्रयासों के बावजूद उठाया गया। यूनियन द्वारा दिए गए हड़ताल नोटिस के संबंध में 8 जुलाई 2026 तथा 17 जुलाई 2026 को सहायक श्रम आयुक्त (केंद्रीय), करनाल के समक्ष सुलह बैठक आयोजित की गई।

यूनियन की ओर से अध्यक्ष श्री सम्पूरण सिंह एवं महासचिव श्री मनोज कुमार उपस्थित रहे। 17 जुलाई 2026 की कार्यवाही के दौरान सहायक श्रम आयुक्त (केंद्रीय), करनाल के निदेर्शानुसार रिफाइनरी प्रबंधन ने अपना बिंदुवार उत्तर प्रस्तुत किया, जिसे अभिलेख पर लिया गया तथा उसकी प्रति यूनियन को भी उपलब्ध कराई गई। यह स्पष्ट किया जाता है कि यूनियन द्वारा उठाए गए मुद्दे उन कुछ सुविधाओं से संबंधित हैं, जो पूर्व में कर्मचारियों को आंतरिक व्यवस्था के तहत दी जाती थीं और जिन्हें पुनः बहाल करने की मांग यूनियन द्वारा की गई है। इसलिए इसे कर्मचारियों को मूलभूत अथवा वैधानिक सुविधाएं न दिए जाने का मामला बताना सही नहीं है।

रिफाइनरी प्रबंधन ने सहायक श्रम आयुक्त (केंद्रीय) के समक्ष यह भी स्पष्ट किया कि पूर्व में दी गई ये सुविधाएं केवल आंतरिक व्यवस्था का हिस्सा थीं तथा औद्योगिक विवाद अधिनियम के अंतर्गत किसी समझौते का हिस्सा नहीं थीं। सहायक श्रम आयुक्त (केंद्रीय) ने प्रबंधन को यूनियन की मांगों को उच्च प्रबंधन के समक्ष रखने की सलाह दी है, जिस पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही, दोनों पक्षों को औद्योगिक शांति एवं सौहार्द बनाए रखने तथा ऐसा कोई कदम न उठाने की सलाह दी गई जिससे शांति एवं सद्भाव प्रभावित हो।

अमर बलिदानी मंगल पांडे का सर्वोच्च बलिदान स्वतंत्रता की चेतना का प्रथम शंखनाद था : डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र

» प्रमोद कौशिक

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 19 जुलाई । हर क्रांति को शुरूआत में एक चिंगारी की जरूरत होती है। एक ऐसी चिंगारी जो लोगों को प्रेरित करे,उकसाए और प्रोत्साहित करें ताकि वे अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करें और अपना हक वापस लें। मंगल पांडे ने अंग्रेजों के खिलाफ 1857 के विद्रोह से पहले वह चिंगारी प्रदान की और उसके बाद भारत के स्वतंत्रता संग्राम में नायक बन गए। यह विचार अमर बलिदानी मंगल पांडे की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में मातृभूमि शिक्षा मंदिर द्वारा आयोजित शौर्य संवाद कार्यक्रम में मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने व्यक्त किए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती, भगवान श्रीकृष्ण एवं मंगल पांडे के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन से हुआ। अमर बलिदानी पांडे की जयंती के अवसर पर मातृभूमि शिक्षा मंदिर के विद्यार्थियों ने राष्ट्रभक्ति के कार्यक्रम व्यक्त किए।

शौर्य संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत, अमर बलिदानी मंगल पांडे का सर्वोच्च बलिदान स्वतंत्रता की चेतना का प्रथम शंखनाद था और उनकी अमर क्रांतिज्योति युगों युगों तक हर भारतीय हृदय में राष्ट्र सेवा का दीप जलाती रहेगी। हउन्होंने ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में रहते हुए गाय और सूअर की चर्बी वाले कारतूसों का इस्तेमाल करने से इनकार कर दिया और 29 मार्च 1857 को बैरकपुर में अंग्रेज अधिकारियों के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंका।8 अप्रैल, 1857 को मंगल पांडे को फांसी दे दी गई। भारत का जन जन सदैव उनका ऋणी रहेगा।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि श्रीमती मोना शर्मा ने भी विद्यार्थियों को मंगल पांडे के जीवन के बारे बताया। मातृभूमि शिक्षा मंदिर के प्रभारी भागवत स्वरूप ने कार्यक्रम का संचालन एवं कार्यालय प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का समापन वन्देमातरम से हुआ। कार्यक्रम में आश्रम के सदस्य, विद्यार्थी एवं अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।

रिफाइनरी यूनियन की तीसरे दिन की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी

आंदोलनरत 5 युनियन सदस्यों के साथ एकदिवसीय सांकेतिक भूख हड़ताल में 20 अन्य कर्मचारी भी हुए शामिल

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 19 जुलाई । इंडियन ऑयल पानीपत रिफाइनरी कर्मचारी यूनियन और रिफाइनरी प्रशासनिक अधिकारियों के बीच कई दौर की बातचीत होने के बाद भी समस्याओं के समाधान पर सहमति न बनने के कारण तीसरे दिन भी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल और धरना प्रदर्शन कर रिफाइनरी प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। रविवार को भूख हड़ताल के तीसरे दिन कर्मचारी यूनियन के 5 लोग अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे रहे, जबकि 20 लोग एक दिवसीय भूख हड़ताल पर बैठे।

बता दें कि पानीपत रिफाइनरी कर्मचारी यूनियन अपनी मांगे मनवाने और समस्याओं के समाधान के लिए पिछले काफी समय से प्रधान संपूर्ण सिंह के नेतृत्व में विभिन्न तरीकों से रिफाइनरी प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। शुक्रवार से कर्मचारी यूनियन के 4 लोग प्रधान संपूर्ण सिंह ने नेतृत्व में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। परंतु शनिवार को यूनियन का 5वां सदस्य और भूख हड़ताल पर बैठ गया। जबकि तीसरे दिन रविवार को छुट्टी होने के कारण 20 लोग और एक दिवसीय भूख हड़ताल पर बैठे रहे।

भूख हड़ताल पर बैठे कर्मचारी यूनियन प्रधान संपूर्ण सिंह ने यूनियन सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि रिफाइनरी प्रशासन कि गलत नीतियों के कारण आज हमें भूख हड़ताल और प्रदर्शन का यह रास्ता अपनाना पड़ा है। जब तक हमारी मांगे नहीं मानी जाती हम भूख हड़ताल पर बैठे रहेंगे। वंही शनिवार से कर्मचारी यूनियन को ट्रेड यूनियन सीटू का भी साथ मिला है। बता दें कि कर्मचारी यूनियन के सदस्य रिफाइनरी टाउनशिप के गेट नंबर 2 के सामने भूख हड़ताल पर बैठे हैं।

गो-भगत नंदकिशोर गोयनका के निधन पर शोक व्यक्त करने पहुंचे राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, एसडीएम राजेश खोथ, मंडल मीडिया प्रभारी राजेश सलूजा ने बताया समाज की अपूरणीय क्षति

» हरियाणा, यूटर्न/ 19 जुलाई ।

प्रख्यात गौसेवी एवं समाजसेवी स्वर्गीय गो-भगत नंदकिशोर गोयनका के निधन पर गोयनका सदन में श्रद्धांजलि देने के लिए उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नरेश बंसल, हांसी के उपमंडल अधिकारी (एसडीएम) राजेश खोथ, भाजपा मंडल मीडिया प्रभारी राजेश सलूजा तथा बुद्धा खेड़ा पैक्स अध्यक्ष जगदीश असीजा सहित अनेक गणमान्य लोगों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने कहा कि स्वर्गीय नंदकिशोर गोयनका का संपूर्ण जीवन गौसेवा, समाजसेवा और मानव कल्याण के लिए समर्पित रहा। उनके द्वारा किए गए सेवा कार्य सदैव समाज को प्रेरणा देते रहेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्तित्व विरले ही होते हैं, जिनकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाती है।

एसडीएम राजेश खोथ ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि गोयनका जी का गौमाता के प्रति समर्पण अद्भुत था। गौशाला में किसी भी प्रकार की समस्या या संकट की सूचना मिलते ही वे स्वयं मौके पर पहुंचकर सेवा कार्यों में जुट जाते थे। उन्होंने कहा कि गोयनका जी का जीवन निस्वार्थ सेवा और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण था। उन्होंने यह भी कहा कि गोयनका जी का अग्रवाल समाज और अग्रोहा से विशेष लगाव था, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने अग्रोहा में उच्च शिक्षा के विकास के लिए किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यहां स्थापित शैक्षणिक संस्थानों से हजारों विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है।

नशा रोकने के लिए मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 पर दें जानकारी:विश्राम कुमार मीणा

परमिंदर सिंह / कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 19 जुलाई । उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि ह्यनशा मुक्त भारत 2047ह्ल अभियान के तहत केंद्र सरकार द्वारा नशीली दवाओं के दुरुपयोग और नार्कोटिक्स तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अहम कदम उठाया गया है। इस दिशा में गृह मंत्रालय द्वारा नेशनल नारकोटिक्स हेल्पलाइन -1933 संचालित किया जा रहा है। यह हेल्पलाइन नंबर 24 घंटे प्रतिदिन सक्रिय रहता है और नागरिकों को किसी भी समय नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों की जानकारी साझा करने की सुविधा दे रहा है। उन्होंने कहा कि नशे से संबंधित सूचना देने वाले व्यक्तियों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी, जिससे लोग बिना किसी डर या संकोच के नशीली दवाओं के अवैध व्यापार से जुड़ी जानकारी साझा कर सकें। उन्होंने बताया कि यह पहल न केवल समाज में व्याप्त नशे की प्रवृत्ति को नियंत्रित करने में सहायक सिद्ध होगी, बल्कि इससे युवाओं को भी इस बुराई से बचाने में बल मिलेगा। केंद्र सरकार का उद्देश्य वर्ष 2047 तक भारत को पूरी तरह से नशा मुक्त बनाना है और इस दिशा में जन-सहयोग को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जनहित के संकल्प को पूरा करने में सफल सांसद रमेश अवस्थी का सेवा भाव, आम महोत्सव में उमड़ा जन सैलाब

सुनील बाजपेई/ कानपुर, यूटर्न/ 19 जुलाई । यहां सांसद रमेश अवस्थी द्वारा 19 वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा आम महोत्सव लोगों के बीच चर्चा में सराहना का पात्र बना हुआ है। निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता से अपने कैरियर की शुरूआत करने वाले वह देश के पहले ऐसे समाजसेवी है, जो राजनीति में प्रवेश करने यानी सांसद बनने के पहले से फलों के राजा आम महोत्सव का आयोजन कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य देश की सबसे बड़ी ताकत कृषि परंपरा को नई दिशा, उसे व्यापक पहचान,उसके किसानों को सम्मान और उनको बेहतर मंच देना है।

किदवई नगर स्थित संस्कार मैदान में इस बार भी भव्य आयोजित हुए आम महोत्सव में उमड़ी हजारों की भीड़ के बीच फिल्म अभिनेता रंजीत विधायक महेश त्रिवेदी, राहुल बच्चा सोनकर, सलिल विश्नोई, सरोज कुरील, भाजपा जिलाध्यक्ष शिवराम सिंहपुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ,डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह आदि भी दशहरी, लंगड़ा, चौसा, सफेदा समेत 300 से अधिक प्रजातियों के आमों की लगाई गई प्रदर्शनी देखने पहुंचे। इस भव्य महोत्सव के दौरान लोगों ने आम की विभिन्न प्रजातियों सहित जामुन का भी लुफ्त उठाया। इस दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से आए आम उत्पादक किसानों को सम्मानित भी किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान ही मनाए गए सादगी पूर्ण जन्मदिन पर सांसद रमेश अवस्थी के सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट पुत्र सचिन अवस्थी को शुभकामनाएं देने वालों की भी भीड़ लगी रही। इसी क्रम में यह भी अवगत कराते चलें कि यहां नगर सांसद बनने के बाद हर किसी के सुख दुख में सदैव साथ खड़े होने वाले जनहित में अपनी धुन के पक्के जुझारू, तेजतर्रार और व्यवहार कुशल सांसद रमेश अवस्थी ने जन समस्याओं के खिलाफ विकास की जो गंगा बहानी शुरू की है ,उससे यह भी साबित होता प्रतीत होता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनहितकारी नीतियों के अनुरूप आम जनता के हित में अपने कर्तव्य का पालन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ करने वाले सांसद रमेश अवस्थी के लगातार जारी कठोर परिश्रम पूर्ण प्रगाढ़ सेवा भाव के फलस्वरूप निकट भविष्य में जो सार्थक परिणाम सामने आएगा, उससे कानपुर में जन समस्याएं हल करने के साथ ही सर्वाधिक विकास कार्य कराने का रिकार्ड भी टूटकर रहेगा।

क्या सरकार को वांगचुक की सेहत से ज्यादा, वांगचुक से डर लगता है ?

संदीप शर्मा

छह महीने तक सोनम वांगचुक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बने रहे। शनिवार को अचानक वे मेडिकल इमरजेंसी का मामला बन गए। यह एक बड़ा बदलाव है। अब वांगचुक की सेहत की इतनी फिक्र हो गई। जिस सरकार को कभी उन्हें 'नेशनल सिक्योरिटी एक्ट' के तहत बंद करने की ठोस वजह मिली थी, वही सरकार अब यह पक्का करने में लगी है कि उनकी सेहत में जरा भी उतार-चढ़ाव सरकारी निगरानी के बिना न हो। एम्बुलेंस, डॉक्टर, पुलिस और सरकारी मशीनरी हरकत में आ गई। जाहिर है, असहमति जताना खतरनाक है। लेकिन सिर्फ़.तब तक, जब तक कि असहमति जताने वाला व्यक्ति खतरनाक रूप से कमजोर न दिखने लगे। कोई भी सरकार नहीं चाहती कि कोई नागरिक भूख हड़ताल में अपनी जान गंवाए। यह कानूनी और नैतिक, दोनों तरह की ज़िम्मेदारी है। वांगचुक को मेडिकल देखभाल मिलनी ही चाहिए थी। इस पर कोई बहस नहीं हो सकती। लेकिन सरकारें राजनीति में शायद ही कभी किसी एक वजह से कोई कदम उठाती हैं। अगर सिर्फ़.वांगचुक की सेहत ही चिंता की वजह होती, तो सवाल उठता है कि उनकी मांगों को उनकी पल्स रेट (नाड़ी की गति) जितनी अहमियत क्यों नहीं मिली ? उनके शरीर के इतने कमजोर होने से पहले कि उसे नजरअंदाज न किया जा सके, हफ़्तों तक उनकी बातों को कमजोर पड़ने दिया गया। इस विडंबना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जिस सरकार ने कभी तर्क दिया था कि वे कानून-व्यवस्था के लिए खतरा हैं, वही सरकार अब उनकी सेहत को लेकर बहुत फिक्रमंद दिख रही है। पता चला कि जेल में बंद वांगचुक को संभालना आसान था। भूख हड़ताल कर रहे वांगचुक परेशानी का सबब बन रहे थे। और राजनीतिक नजरिए से देखें तो, वांगचुक की मौत एक बड़ी मुसीबत साबित होती। लोकतंत्रों में एक अजीब आदत होती है, हमदर्दी तब दिखाना जब विरोध प्रदर्शनों पर ऐसी नजर पड़ने लगे जो सरकार के लिए असहज हो। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का मतलब होता यह मानना कि चीजें गलत हुई हैं। फिलहाल ऐसा नहीं हो रहा है। भूख हड़ताल करने वाले एक्टिविस्ट, जिन्हें पहले दिन ही खारिज कर दिया गया था, बीसवें दिन तक राष्ट्रीय चिंता का विषय बन जाते हैं। ऐसा लगता है जैसे सरकारों के पास कोई अंदरूनी मेडिकल डिवाइस हो जो ऑक्सीजन लेवल के हिसाब से नहीं, बल्कि हेडलाइंस के हिसाब से काम करता हो। वांगचुक को अस्पताल भेजकर सरकार ने शायद उनकी जान बचा ली। साथ ही, उसने खुद को उस एक तस्वीर से भी बचा लिया जिसे कोई भी प्रशासन नहीं चाहता: एक शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी की मौत और सरकार का उसे बस देखते रहना। यहीं पर विरोधाभास है। सरकारें अक्सर मानती हैं कि वे किसी व्यक्ति को जेल में डाल सकती हैं, विरोध प्रदर्शन को रोक सकती हैं या किसी मांग को नजरअंदाज कर सकती हैं। लेकिन वे उस स्थिति को नियंत्रित नहीं कर सकतीं जब वह व्यक्ति नैतिक अधिकार हासिल कर लेता है। इतिहास उन सरकारों के प्रति कठोर रहा है जो शारीरिक हिरासत को राजनीतिक नियंत्रण समझ लेती हैं। जेल की कोठरी शरीर को तो कैद कर सकती है, लेकिन वह हमेशा किसी विचार को कैद नहीं कर सकती। और न ही अस्पताल का कोई वार्ड ऐसा कर सकता है। शायद इसीलिए सरकार ने इतनी तेजी से कदम उठाए। वह एक मरीज का इलाज कर रही थी। लेकिन साथ ही, वह एक प्रतीक के जन्म को भी रोकना चाहती थी। आखिरकार, जीवित आलोचक ही मुश्किल सवाल पूछते हैं। शहादत तो हमेशा-हमेशा के लिए वे सवाल खड़े कर देती हैं।

चिंतन-मनन : कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है। चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मों का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मों के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है। परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता। अतः भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित (दूषित) नहीं हैं। भगवद्गीता तो शिक्षा देती है कि हमें इस कलुषित चेतना को शुद्ध करना है।

रेप पीड़िता : सुप्रीम कोर्ट का आया निर्णय एक सबक, उनके लिए जो अपनी जिम्मेदारी से भागते हैं !

इस घटना में चार वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ। परिजन उसे उपचार के लिए दो निजी अस्पतालों में लेकर पहुंचे, किंतु दोनों ने भर्ती करने से मना कर दिया। जब तक बच्ची को सरकारी अस्पताल ले जाया गया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी और उसे मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद यह भी सामने आया कि स्थानीय पुलिस ने भी तत्काल एफआईआर दर्ज नहीं की। जनाक्रोश के बाद मामला दर्ज हुआ और प्रारंभिक रिपोर्ट में पॉक्सो तथा भारतीय दंड संहिता की गंभीर धाराएं भी तत्काल नहीं जोड़ी गईं।

डॉ. निवेदिता शर्मा

गाजियाबाद की चार वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को इलाज देने से इनकार करने वाले दो निजी अस्पतालों पर सर्वोच्च न्यायालय की तीखी टिप्पणी ने सभी देशवासियों का अपनी ओर ध्याइन खींचा है। पूरे देश की स्वास्थ्य व्यवस्था, पुलिस तंत्र, प्रशासनिक जवाबदेही और सामाजिक संवेदनशीलता पर ऐसे मामले सामने आने पर गंभीर प्रश्न खड़े हो जाते हैं। मु एक तरह से देखें तो मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने जिस स्पष्टता से कहा कि यदि आपने अपने कर्तव्य का पालन नहीं किया तो अपने नाम के आगे डॉक्टर लिखने का कोई अधिकार नहीं है, वह उन सभी लोगों के लिए चेतावनी है जो अपने पेशे को केवल व्यवसाय समझ बैठे हैं या जो जिम्मेखदारी उन्हों मिली है, उससे जुड़ा वह कार्य जिम्मेखदारीपूर्वक पूर्ण करना नहीं चाहते।

इस घटना में चार वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ। परिजन उसे उपचार के लिए दो निजी अस्पतालों में लेकर पहुंचे, किंतु दोनों ने भर्ती करने से मना कर दिया। जब तक बच्ची को सरकारी अस्पताल ले जाया गया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी और उसे मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद यह भी सामने आया कि स्थानीय पुलिस ने भी तत्काल एफआईआर दर्ज नहीं की। जनाक्रोश के बाद मामला दर्ज हुआ और प्रारंभिक रिपोर्ट में पॉक्सो तथा भारतीय दंड संहिता की गंभीर धाराएं भी तत्काल नहीं जोड़ी गईं। अर्थात एक बच्ची के साथ अपराध होने के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था और पुलिस, दोनों अपने प्रथम दायित्व का निर्वहन करने में विफल रहे। क्याध देश में घटी ये घटना अपवाद है? यदि गहराई से देखें तो बिल्कुनल नहीं, न जानें ऐसी कितनी ही घटनाएं हमारे समाज में घट रही हैं, तभी तो राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की क्राइम इन इंडिया-2023 रिपोर्ट देश में महिलाओं के विरुद्ध अपराध के 4.45 लाख से अधिक मामले दर्ज होना बता रही है। अर्थात औसतन प्रतिदिन लगभग 1,220 महिलाएं किसी न किसी अपराध का शिकार होती हैं।

वहीं बच्चों के विरुद्ध अपराध के 1.60 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए, जिनमें प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज एक्ट (पॉक्सोश अधिनियम) के अंतर्गत लगभग 65 हजार मामले शामिल थे। इसका अर्थ है कि औसतन हर दिन लगभग 175 बच्चों के विरुद्ध यौन अपराध दर्ज होते हैं। जिसमें क यह संख्या् तब है जब कि यौन अपराधों के अनेक मामले सामाजिक दबाव, भय और बदनामी की आशंका के कारण दर्ज ही नहीं हो पाते !

भारतीय कानून इस विषय में बिल्कुल स्पष्ट है। बीएनएसएस की धारा 397, दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 357सी तथा भारतीय न्याय संहिता लागू होने से पूर्व बीएनएसएस धाराओं में व भारतीय दंड संहिता की धारा 166बी के तहत किसी भी अस्पताल चाहे वह सरकारी हो या निजी यौन अपराध पीड़िता को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना अनिवार्य है। ऐसा करने से इनकार करना दंडनीय अपराध है। इसके अतिरिक्त पॉक्सोम अधिनियम भी बच्चों के मामलों में तत्काल चिकित्सकीय सहायता और साक्ष्य संरक्षण की स्पष्ट व्यवस्था करता है।

सर्वोच्च न्यायालय पूर्व में भी परमानंद कटारा बनाम भारत संघ (1989) के ऐतिहासिक निर्णय में स्पष्ट कर चुका है कि जीवन बचाना प्रत्येक डॉक्टर का सर्वोच्च कर्तव्य है और उपचार देने से पहले कानूनी औपचारिकताओं का बहाना नहीं बनाया जा सकता। वहीं, 'विश्व स्वास्थ्य संगठन' भी मानता है कि यौन हिंसा की पीड़िता के लिए पहले 24 घंटे अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। इसी अवधि में जीवनरक्षक उपचार, संक्रमण से बचाव, डीएनए साक्ष्य संरक्षण और मनोवैज्ञानिक सहायता सबसे प्रभावी होती है।

ऐसे में यदि अस्पताल ही मरीज को लौटा दें तो उपचार के अभाव में उसका जीवन तो संकट में पड़ता ही है, साक्ष्यय समाप्तफ होने की स्थि पति में न्याय की संभावना भी कमजोर हो जाती है। पुलिस की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 के बाद प्रत्येक पुलिस अधिकारी के लिए यौन अपराध की शिकायत तत्काल दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है।

हिन्दुओं की किस्में - बकौल आरएसएस मुखिया

राम पुनियानी

आरएसएस के मुखिया मोहन भागवत हिन्दू राष्ट्र के विचार को सही ठहराने के लिए तरह-तरह की वैचारिक कलाबाजियां खाते रहते हैं। वे कई बार कह चुके हैं कि भारत में रहने वाले सभी लोग हिन्दू हैं, हमारे पूर्वज एक ही थे आदि। मगर समस्या यह है कि पुराने आरएसएस विचारक यह नजरिया पेश करते रहे हैं कि इस्लाम और ईसाईयत विदेशी धर्म हैं। हिन्दू राष्ट्रवाद की विचारधारा के जनक वी. डी. सावरकर ने हिन्दू को परिभाषित करते हुए कहा था कि हिन्दू वह है जो सिन्धु से लेकर समुद्र तक की भूमि को पवित्र और अपनी पितृभूमि मानता है। द्वितीय सरसंघचालक एम. एस. गोलवलकर का कहना था कि हिन्दू राष्ट्र के निर्माण हेतु हम जर्मनी के मॉडल का अनुसरण करेंगे जहां बहुत बड़ी संख्या में यहूदियों को यातनाएं दी गईं और फिर उन्हें गैस चैम्बरों में भेजकर जर्मन राष्ट्र का निर्माण किया गया। हाल में इसी वक्तव्य के अधिक चिकने-चुपड़े संस्करण भागवत ने सामने रखें हैं।

आरएसएस यह भी कहता रहा है कि हिन्दू दरअसल एक धर्म नहीं वरन एक जीवनशैली है। यह कथन समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से गलत है, जिसके अनुसार आराध्य, कर्मकांड, पवित्र ग्रंथ, पुरोहित वर्ग आदि धर्म के तत्व माने जाते हैं। हाल में उन्होंने हिन्दुओं का अनोखा वर्गीकरण किया जिसका उद्धेश्य मुसलमानों और ईसाईयों में व्याप्त हाशियेपन के एहसास को कम करना था। हिन्दू धर्म की बहुत ही अजीब परिभाषा देते हुए उन्होंने कहा अगर आप भारतीय हैं तो यह प्रकृति (हिन्दू) आप में अंतर्निहित है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि मुसलमान और ईसाई हिंदू राष्ट्र के अविभाज्य अंग हैं। इसके बाद उन्होंने देश के हिंदुओं का चार मुख्य समूहों में वर्गीकरण किया। उन्होंने कहा कि पहले समूह में वे लोग शामिल हैं जो अपनी हिन्दू पहचान को गर्व से घोषित करते हैं। दूसरे समूह में वे लोग हैं जो अपने को हिन्दू मानते हैं लेकिन इसमें उन्हें किसी विशिष्टता का एहसास नहीं होता। भागवत के अनुसार तीसरा समूह उन लोगों का है जो केवल निजी चर्चा में अपनी हिन्दू पहचान का जिक्र करते हैं। चौथे समूह में वे लोग शामिल हैं जो या तो अपनी हिन्दू पहचान को भूल चुके है या जिसे उन्हें विस्मृत करा दिया गया है। उनके अनुसार स्वाभिमानी हिन्दू कौन हैं? वे जिन्होंने बाबरी मस्जिद को ढहाया? वे जो मस्जिदों के सामने नाचते हैं और गालियों भरे नारे लगाते हैं? वे जो कावंड़ियों के भेष में सड़कों पर हंगामा करते हैं? हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया लेकिन हमें इसका अनुमान लगाना होगा। बाबासाहेब अम्बेडकर एक हिन्दू परिवार में पैदा हुए थे लेकिन उन्होंने बाद में 'मनुस्मृति' जलाई और घोषणा की कि हालांकि वे हिन्दू पैदा हुए हैं, लेकिन वे एक हिन्दू के रूप में नहीं मरेंगे। आरएसएस प्रमुख उन्हें किस वर्ग में रखेंगे? वे भारतीय संविधान को क्या बताएंगे - एक 'अच्छे' हिन्दू द्वारा निर्मित संहिता, या कुछ और? उनकी संस्था ने तो यह कहते हुए संविधान का विरोध किया था कि यह पश्चिमी मूल्यों पर आधारित है और उसमें कुछ भी भारतीय नहीं है।

वर्तमान में आरएसएस की दुविधा यह है कि मुसलमानों, ईसाईयों, दलितों और आदिवासियों को आरएसएस से जोड़ने के लिए उसे ईसाईयों और मुसलमानों के बारे में सम्मानजनक ढंग से बात करने की कलाबाजी दिखानी होगी। वैसे भी हिन्दू धर्म को पारिभाषित करना निश्चित ही एक कठिन कार्य है। इसकी कई वजहें हैं।

पहली यह है कि हिन्दू धर्म एक पैगम्बर-आधारित धर्म नहीं है। उसकी स्थापना करने वाला कोई एक व्यक्ति नहीं है। दूसरी वजह यह है कि दुनिया के इस हिस्से में विकसित हुई कई धार्मिक धाराएं, हिन्दू धर्म में समाहित हुई हैं। तीसरी यह कि हिंदू धर्म के कर्मकांडों में इतनी विविधता है कि उन्हें एक रंग में नहीं रंगा जा सकता। इसमें यह भी जोड़ा जा सकता है कि अलग-अलग कालखंडों में विकसित हुए विचार और परंपराएं आज भी एक साथ इस धर्म का हिस्सा हैं। भगवान सत्यनारायण और संतोशी माता की पूजा होती है और साथ ही सगुण और निर्गुण ईश्वर की अवधारणाएं भी बनी हुई हैं।

यश बैंक के मुनाफे में 33.7 फीसदी उछाल, 1,071 करोड़ के पार

मुंबई, यूटर्न/ 19 जुलाई । निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंक यश बैंक ने मौजूदा कारोबारी साल की पहली तिमाही के शानदार नतीजे जारी किए हैं। जून 2026 को खत्म हुई इस तिमाही में बैंक का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 33.7 प्रतिशत उछलकर 1,070.99 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। पिछले साल इसी तिमाही में बैंक को 801 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। बैंक की ब्याज से होने वाली कमाई में भी अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यश बैंक का नेट इंटरेस्ट इनकम 17.5 फीसदी बढ़कर 2,786.46 करोड़ रुपये रहा, जो बीते साल की समान तिमाही में 2,371 करोड़ रुपये था। इसके साथ ही बैंक का नेट इंटरेस्ट मार्जिन भी 2.5 प्रतिशत से सुधरकर 2.7 प्रतिशत पर आ गया है। डिपॉजिट की लागत में कमी और पीएसएल शॉर्टफॉल डिपॉजिट के बैलेंस में गिरावट आने से बैंक के मार्जिन को मजबूत सहारा मिला है। यश बैंक के लिए सबसे बड़ी राहत की बात यह रही कि इसके फंसे हुए कर्ज में कमी आई है, जिससे एसेट क्वालिटी काफी बेहतर हुई है। बैंक का ग्रॉस एनपीए रेशियो पिछले साल के 1.6 फीसदी से घटकर अब 1.3 फीसदी रह गया है।

पीएनबी के मुनाफे में तीन गुना से ज्यादा का बंपर उछाल

मुंबई, यूटर्न/ 19 जुलाई । सरकारी बैंक पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अप्रैल-जून 2026 तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस दौरान बैंक का मुनाफा बढ़कर 5,253 करोड़ रुपये पहुंच गया। पिछले साल इसी तिमाही में बैंक का मुनाफा 1,675 करोड़ रुपये था। यानी इस बार बैंक ने तीन गुना से ज्यादा मुनाफा कमाया है। बैंक ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि जून तिमाही में उसकी कुल आय 37,231 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल के मुकाबले लगभग बराबर रही। हालांकि, ब्याज से होने वाली कमाई बढ़कर 32,897 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले यह 31,964 करोड़ रुपये थी। जून तिमाही में बैंक का ऑपरेटिंग प्रॉफिट भी बढ़ा है। यह 7,519 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 7,081 करोड़ रुपये था। बैंक के खराब कर्ज में भी सुधार देखने को मिला। जून 2026 के अंत तक यह घटकर 2.78 फीसदी रह गया, जबकि एक साल पहले यह 3.78 फीसदी था। रकम के हिसाब से जीएनपीए 42,673 करोड़ रुपये से घटकर 35,381 करोड़ रुपये रह गया। यानी इसमें 7,292 करोड़ रुपये की कमी आई। वहीं, नेट एनपीए भी 0.38 फीसदी से घटकर 0.26 फीसदी पर आ गया।

कच्चा तेल 13 फीसदी महंगा होकर 80 डॉलर प्रति बैरल के पार

नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जुलाई ।
रविवार को एक बार फिर तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है, जिससे कीमतें पुराने स्तर पर बनी हुई हैं। हालांकि, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के कारण क्रूड ऑयल एक बार फिर 80 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है, जिससे आने वाले समय में घरेलू ईंधन की कीमतों में इजाफे की आशंका बढ़ गई है। पिछले हफ्ते कच्चे तेल की कीमतों में 13 प्रतिशत का बड़ा इजाफा देखा गया, जिसके चलते कीमतें एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 80 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई हैं।

अंडमान में पहले एलएनजी बिजली संयंत्र को मंजूरी की रफ्तार तेज

» **कोलकाता, यूटर्न/ 19 जुलाई ।**

अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में स्थापित किए जाने वाले पहले एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) आधारित बिजली संयंत्र की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। अंडमान-निकोबार प्रदूषण नियंत्रण समिति ने परियोजना स्थल तक एलएनजी के परिवहन से संबंधित पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) और पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी) रिपोर्ट पर संबंधित पक्षों से सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की हैं।

इस परियोजना के तहत इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने होप टाउन, श्री विजयापुरम (पूर्व में पोर्ट ब्लेयर) में एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड (एनवीवीएन) द्वारा स्थापित किए जा रहे 55 मेगावाट के एलएनजी आधारित बिजली संयंत्र को री-गैसीफाइड एलएनजी की आपूर्ति करेगा। एनवीवीएन, एनटीपीसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

इस बिजली संयंत्र को सितंबर 2022 में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) से पर्यावरणीय मंजूरी (ईसी) मिल चुकी है। वर्तमान में अंडमान-निकोबार द्वीप समूह अपनी बिजली की अधिकांश जरूरतों के लिए डीजल आधारित बिजली उत्पादन पर निर्भर है। द्वीपों में विश्वसनीय, किफायती और पर्यावरण के अनुकूल बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने होप टाउन में एलएनजी आधारित बिजली परियोजना विकसित करने की पहल की थी। यह परियोजना केंद्र सरकार की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत द्वीप क्षेत्रों में डीजल आधारित बिजली उत्पादन पर निर्भरता कम कर स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

शुरूआत में इस संयंत्र को ड्यूल फ्यूल (डीजल और एलएनजी) पर संचालित करने की योजना थी और इसकी जिम्मेदारी एनवीवीएन को सौंपी गई थी।

इसके बाद में केंद्र सरकार की द्वीपों में बिजली उत्पादन के डीजलीकरण को समाप्त करने की नीति के अनुरूप परियोजना में बदलाव करते हुए इसे केवल एलएनजी आधारित संयंत्र के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद बिजली मंत्रालय, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा गृह मंत्रालय की सहमति से आईओसीएल को एलएनजी आपूर्ति से जुड़ा आवश्यक बुनियादी ढांचा विकसित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

ओडिशा का नया 8,300 करोड़ रुपए का तटीय हाईवे प्रोजेक्ट आर्थिक विकास को देगा रफ्तार

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जुलाई ।**

ओडिशा के समुद्री तट पर जल्द ही बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा 8,300.79 करोड़ रुपए की लागत से 160.18 किलोमीटर लंबे रामेश्वरझपारादीप तटीय राजमार्ग से क्षेत्र के आर्थिक विकास को नई रफ्तार मिलेगी। यह जानकारी सरकार की ओर से रविवार को जारी एक फैक्टशीट में दी गई।

तेज, सुरक्षित और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तैयार इस प्रोजेक्ट में रामेश्वर से कोणार्क तक 4-लेन एक्सेस-कंट्रोल्ड हाईवे और कोणार्क से पारादीप तक एक 2-लेन हाईवे बनाया जाएगा। इस मार्ग का डिजाइन 100 किलोमीटर प्रति घंटा से वाहन चालने के लिए किया गया है। परियोजना पूरी होने के बाद रामेश्वर और पारादीप के बीच यात्रा का समय लगभग 2 घंटे 30 मिनट कम होने की उम्मीद है, जिससे यात्रियों के साथ-साथ माल परिवहन भी अधिक सुगम होगा। पीएम गतिशक्ति के अनुरूप यह प्रोजेक्ट 9 इकोनॉमिक नोड्स और 5 लॉजिस्टिक्स केंद्रों को जोड़ेगी, जिससे ओडिशा के आर्थिक नेटवर्क को और मजबूती मिलेगी। इसके अलावा यह पारादीप बंदरगाह, पुरी रेलवे स्टेशन, प्रस्तावित पुरी हवाई अड्डे और अन्य क्षेत्रीय आर्थिक केंद्रों तक पहुंच को भी बेहतर बनाएगी। यह राजमार्ग खुर्दा, पुरी, केंद्रपाड़ा और जगतसिंहपुर जिलों से होकर गुजरेगा, जिससे सांस्कृतिक, धार्मिक, पर्यटन और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों के बीच निर्बाध संपर्क स्थापित होगा। यह कॉरिडोर विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर (पुरी), ऐतिहासिक कोणार्क सूर्य मंदिर और श्रद्धेय रामचंडी मंदिर के बीच बेहतर संपर्क उपलब्ध कराएगा, जिससे हर वर्ष ओडिशा आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की तीर्थयात्रा अधिक सुविधाजनक हो जाएगी।

बेहतर सड़क अवसंरचना से न केवल यात्रा का समय घटेगा, बल्कि पर्यटकों और श्रद्धालुओं को अधिक सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव भी मिलेगा।

खगड़िया-पूर्णिया फोरलेन हाईवे से बिहार के केला और मखाना उद्योग को मिलेगा बढ़ावा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जुलाई ।**

केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) द्वारा हाल ही में स्वीकृत खगड़िया-पूर्णिया खंड (एनएच-31 और एनएच-231) को चार लेन में अपग्रेड करने की परियोजना बिहार के कृषि प्रधान क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को नई गति देने वाली साबित हो सकती है। यह जानकारी सरकार द्वारा रविवार को जारी एक फैक्टशीट में दी गई। फैक्टशीट में बताया गया कि बिहार के उपजाऊ मैदानों में सुबह होने से पहले ही खगड़िया के खेतों से केले से लदे ट्रक रवाना हो जाते हैं, जबकि देश के सबसे बड़े मखाना उत्पादक केंद्रों में से एक पूर्णिया के तालाबों और प्रोसेसिंग इकाइयों से मखाना बाजारों की ओर भेजा जाता है। अब तक ट्रैफिक जाम और बारिश के मौसम में सड़क संपर्क बाधित होने के कारण इन उच्च मूल्य वाली कृषि उपज की ढुलाई अकसर प्रभावित होती रही है। खासकर जल्दी खराब होने वाले केले के लिए हर घंटा महत्वपूर्ण होता है। बेहतर और तेज सड़क संपर्क से फलों के खराब होने की संभावना कम होगी..

कैंसर और मधुमेह के खिलाफ लड़ाई में जन आंदोलन की जरूरत: डॉ. जितेंद्र सिंह

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जुलाई ।**

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने रविवार को कैंसर, मधुमेह, मोटापा और अन्य गैर-संक्रामक रोगों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन का आ'ान किया। उन्होंने कहा कि जीवनशैली संबंधी विकारों के बढ़ते बोझ से निपटने के लिए भारत की प्रतिक्रिया अस्पतालों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि एक जन आंदोलन के रूप में विकसित होनी चाहिए जो रोकथाम, शीघ्र निदान और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य सेवा पर केंद्रित हो।

मंत्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के पूर्व वरिष्ठ सलाहकार डॉ. अखिलेश गुप्ता द्वारा लिखित पुस्तक ह्यअनब्रोकनः माय बैटल विद कैंसर एंड द विल टू लीडह्ल के विमोचन के अवसर पर बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश न केवल गैर-संक्रामक रोगों के बढ़ते बोझ का सामना कर रहा है, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी गलत सूचनाओं की बढ़ती चुनौती से भी जूझ रहा है।

उन्होंने कहा कि कैंसर, मधुमेह, मोटापा और अन्य गैर-संक्रामक रोगों के बढ़ते बोझ से निपटने के लिए भारत को अस्पतालों तक सीमित न रहकर एक जन आंदोलन चलाना होगा, जो शीघ्र निदान, सही चिकित्सा सलाह और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य सेवा पर केंद्रित हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वैज्ञानिक संचार और साक्ष्य-आधारित चिकित्सा सलाह पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि देश आज न केवल जागरूकता की कमी का सामना कर रहा है, बल्कि व्यापक स्वास्थ्य संबंधी गलत सूचनाओं की चुनौती का भी सामना कर रहा है, जिससे विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए वैज्ञानिक संचार और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य संचार पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं।

मंत्री ने कहा कि कैंसर, मधुमेह, मोटापा, फैटी लिवर रोग और अन्य चयापचय संबंधी विकार भारत की कुछ सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों के रूप में उभर रहे हैं और युवा आयु वर्ग को तेजी से प्रभावित कर रहे हैं।

उन्होंने समझाया कि कई कैंसरों का अगर जल्दी पता चल जाए तो उनका इलाज या नियंत्रण संभव है, इसलिए समय पर जांच और तुरंत चिकित्सा हस्तक्षेप से जीवित रहने की दर में सुधार के लिए बेहद जरूरी है।

कच्चा तेल 13 फीसदी महंगा होकर 80 डॉलर प्रति बैरल के पार

ईरान-अमेरिका तनाव से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल हुआ महंगा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जुलाई ।**

रविवार को एक बार फिर तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है, जिससे कीमतें पुराने स्तर पर बनी हुई हैं। हालांकि, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के कारण क्रूड ऑयल एक बार फिर 80 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है, जिससे आने वाले समय में घरेलू ईंधन की कीमतों में इजाफे की आशंका बढ़ गई है। पिछले हफ्ते कच्चे तेल की कीमतों में 13 प्रतिशत का बड़ा इजाफा देखा गया, जिसके चलते कीमतें एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 80 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई हैं। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव के तेज होने के कारण हुई है। बता दें कि रूस-यूक्रेन युद्ध के शुरूआती दिनों में क्रूड ऑयल 110 डॉलर प्रति बैरल के आंकड़े को भी पार कर गया था, जिससे तेल कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। मौजूदा स्थिति में भी तेल कंपनियां नुकसान झेल रही हैं और यदि कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं तो घरेलू स्तर पर पेट्रोल-डीजल महंगा होना तय है।

देश में पेट्रोल और डीजल के दाम आखिरी बार मई के महीने में बढ़ाए गए थे। उस समय 15 से 30 मई के दौरान चार बार कीमतों में बढ़ोतरी की गई थी, जिसके परिणामस्वरूप ईंधन 7.5 रुपये प्रति लीटर तक महंगा हो गया था। तब से लेकर अब तक ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। हालांकि, देश के कई शहरों में पेट्रोल पहले ही 110 रुपये प्रति लीटर के आंकड़े को पार कर चुका है, जैसे बेंगलुरु (111.37 रुपये), हैदराबाद (115.69 रुपये), जयपुर (113.32 रुपये) और मुंबई (111.21 रुपये) शामिल हैं।

रविवार के रेट की बात करें तो राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। वहीं, मुंबई में पेट्रोल 111.21 रुपये और डीजल 97.83 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 108.96 रुपये और डीजल 100.74 रुपये, जबकि कोलकाता में पेट्रोल 113.48 रुपये और डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की मौजूदा चाल को देखते हुए आने वाले दिनों में ईंधन उपभोक्ताओं को झटका लग सकता है।

संक्षिप्त खबरें

डिजिटल अरेस्ट कर ठगी के मामले में खाताधारक गिरफ्तार

फरीदाबाद, यूटर्न/ 19 जुलाई । मनी लॉन्ड्रिंग और मानव तस्करी के मामलों में नाम आने का दावा कर एक व्यक्ति को डिजिटल अरेस्ट करने और केस से नाम हटाने का झांसा देकर 81 लाख रुपये की साइबर ठगी करने वाले गिरोह से जुड़े दूसरी लेयर के एक खाताधारक को साइबर थाना बल्लभगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान राजस्थान के झुंझुनू निवासी नरेंद्र के रूप में हुई है। उसे 17 जुलाई को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां से एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपी बीएससी का छात्र है और उसने अपना बैंक खाता साइबर ठगों को उपलब्ध कराया था। उसके खाते में ठगी की रकम में से 79,180 रुपये ट्रांसफर हुए थे। जांच में यह भी पता चला कि ठगी की रकम पहले प्रथम लेयर के दो बैंक खातों में भेजी गई थी। इनमें 30 लाख और 51 लाख रुपये ट्रांसफर किए गए थे। 30 लाख रुपये वाले खाते से 79,180 रुपये आरोपी नरेंद्र के खाते में पहुंचे थे। मामला सेक्टर-7डी निवासी एक व्यक्ति की शिकायत से जुड़ा है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

प्रतिबंधित दवाइयों के साथ आरोपी धरे

फरीदाबाद, यूटर्न/ 19 जुलाई । अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने ग्रीनफील्ड कॉलोनी टी-पॉइंट से प्रतिबंधित नशीली दवाइयां बेचने के आरोपी सोभित को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से अल्प्राजोलम की दवाइयां बरामद हुईं, जिनका कुल वजन 90 ग्राम है। आरोपी के खिलाफ 17 जुलाई को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21बी, 61 और 85 के तहत सूरजकुंड थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई।पुलिस प्रवक्ता यशपाल के अनुसार मुखबिर की सूचना पर टीम ने आरोपी को पकड़ा है।

गुरुग्राम में बिजली संकट: 66 केवी कंडक्टर टूटने से कई इलाके अंधेरे में डूबे, रातभर जूझते रहे लोग

» गुरुग्राम, यूटर्न/ 19 जुलाई ।

गुरुग्राम में 66 केवी सब-स्टेशन के कंडक्टर टूटने के कारण शहर की बिजली आपूर्ति अस्त-व्यस्त हो गई। शनिवार शाम राष्ट्रीय राजमार्ग-8 क्रॉसिंग पर हरसरूझ सेक्टर-35 सर्किट के 66 केवी कंडक्टर के टूटने से सेक्टर-35 स्थित 66 केवी सब-स्टेशन से होने वाली विद्युत आपूर्ति प्रभावित हो गई। इसके कारण गुरुग्राम के कई हिस्सों में बिजली कटौती हुई।

इस घटना से 11 केवी के कुल 10 इंडस्ट्रियल और इंडिपेंडेंट फीडर प्रभावित हुए। इनमें न्यू सेक्टर-35, न्यू शनि देव, सुपरॉन, सोना बीएलडब्ल्यू, आनंद एनवीएच, एचएसआईआईडीसी-1, एमएम एक्वा, एमटेक ऑटो, बम्बिनो एग्रो और एचएसआईआईडीसी-2 फीडर शामिल हैं।

इनमें से 11 केवी के दो इंडस्ट्रियल फीडर, न्यू सेक्टर-35 और न्यू शनि देव का लोड सेक्टर-34 सब-स्टेशन पर स्थानांतरित कर विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी गई है। बिजली निगम के अधिकारियों के अनुसार, शेष छह इंडिपेंडेंट और दो इंडस्ट्रियल फीडरों का लोड तकनीकी कारणों से अन्य स्रोतों पर स्थानांतरित करना संभव नहीं है। इससे जुड़े क्षेत्रों में शनिवार रात तक बिजली आपूर्ति बाधित रही।

बादशाहपुर सर्किट पर तीन दिवसीय शटडाउन के चलते एचवीपीएन की मेंटेनेंस टीम निर्धारित रखरखाव कार्य कर रही है। इसके कारण वैकल्पिक विद्युत आपूर्ति उपलब्ध नहीं हो पा रही है।

दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) के खेड़की दौला सब-डिवीजन के अंतर्गत वर्तमान में एसपीआर रोड (अर्बन), बेगमपुर खटोला (अर्बन), सुजुकी (इंडिपेंडेंट) और लेंसकार्ट (इंडिपेंडेंट) फीडरों की बिजली आपूर्ति भी प्रभावित है।

बिजली निगम के अनुसार, डीएचबीवीएन की टीमें मौके पर लगातार काम कर रही हैं। विद्युत आपूर्ति जल्द बहाल करने के लिए एचवीपीएन और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर युद्धस्तर पर मरम्मत और बहाली का कार्य किया जा रहा है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी यातायात के कारण मरम्मत कार्य चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में किया जा रहा है। निगम के अनुसार, प्रभावित फीडरों की विद्युत आपूर्ति बहाल होने में अभी कुछ समय लग सकता है। हालांकि, यह समय-सीमा मौके की परिस्थितियों तथा मरम्मत और स्विचिंग कार्य की प्रगति के अनुसार बदल सकती है। शहर के कई हिस्सों में शनिवार रात बिजली नहीं रही या बार-बार आती-जाती रही। सेक्टर-99 की ग्रुप हाउसिंग सोसायटियों में पूरी रात बिजली आपूर्ति ठप रही।

दिल्ली छावनी बोर्ड स्कूलों में बनेंगी स्थायी रोबोटिक्स लैब, 400 छात्रों ने तैयार किए लाइन फॉलोअर रोबोट

दिल्ली, यूटर्न/ 19 जुलाई । दिल्ली छावनी बोर्ड के स्कूलों में जल्द रोबोटिक्स लैब स्थापित की जाएंगी। बोर्ड ने आईआईटी दिल्ली के टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब के सहयोग से आयोजित रोबोटिक्स प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के सफल समापन के बाद यह घोषणा की। गर्मी की छुट्टियों में दिल्ली छावनी बोर्ड के विद्यालयों के करीब 400 विद्यार्थियों ने रोबोटिक्स प्रशिक्षण और प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने माइक्रोकंट्रोलर, कोडिंग, मोटर, सेंसर, रोबोटिक्स आदि की बारीकियां सीखीं। बोर्ड का मानना है कि रोबोटिक्स लैव बनने के बाद यह प्रशिक्षण नियमित रूप से विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया जा सकेगा। प्रशिक्षण के अंतिम चरण में विद्यार्थियों ने आईआर और अल्ट्रासोनिक सेंसर की मदद से लाइन फॉलोअर रोबोट तैयार किए। जूनियर और सीनियर दोनों वर्गों की प्रतियोगिताओं में इन रोबोट ने निर्धारित ट्रैक पर प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने अपने मॉडल के जरिए तकनीकी समझ, नवाचार, टीमवर्क और समस्या समाधान क्षमता का परिचय दिया। कार्यक्रम का आयोजन आईएचएफसी, आईआईटी दिल्ली के सहयोग से किया गया। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को प्रयोग आधारित प्रशिक्षण दिया। बोर्ड का मानना है कि ऐसे सहयोग से स्कूली शिक्षा को नई तकनीकों के साथ जोड़ने में मदद मिलेगी।

पैसों के लिए फैक्टरी में काम करने वाले मजदूर ने रची लूट की साजिश

फरीदाबाद, यूटर्न/ 19 जुलाई । खेड़ीपुल क्षेत्र की जस्सी कॉलोनी स्थित जींस धुलाई फैक्टरी में लूट की वारदात पैसों की जरूरत पूरी करने के लिए की गई थी। पुलिस के अनुसार, फैक्टरी में कुछ दिन पहले काम पर लगे आरोपी ने अपने तीन भाइयों और अन्य साथियों के साथ मिलकर लूट की योजना बनाई। आरोपियों ने फैक्टरी में मौजूद दो कर्मचारियों के हाथ-पैर बांध दिए और मुंह पर टेप चिपकाकर करीब 2800 जींस लूट लीं। इस मामले में क्राइम ब्रांच सेंट्रल ने शुक्रवार को बसंतपुर, पल्ला निवासी रौनक को सेक्टर-29 पुल के पास से गिरफ्तार किया है। फैक्टरी मालिक राम सिंह की शिकायत पर खेड़ीपुल थाना में पहले ही संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता ने लूटे गए माल की कीमत 10 से 12 लाख रुपये बताई है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह चार-पांच दिन पहले ही दैनिक मजदूरी पर फैक्टरी में काम करने आया था। पैसों की जरूरत के कारण उसने अपने तीन भाइयों और अन्य साथियों के साथ वारदात की योजना बनाई। 14-15 जुलाई की रात आरोपी सात-आठ साथियों के साथ टेंपो लेकर फैक्टरी पहुंचा। वहां मौजूद कर्मचारी अजय और हिमांशु के हाथ-पैर बांध दिए और उनके मुंह पर टेप चिपका दी। इसके बाद आरोपी करीब 2800 जींस लेकर भाग गए।

पढ़ाई छोड़ चुके बच्चों के लिए चलाया जाएगा विशेष अभियान

फरीदाबाद, यूटर्न/ 19 जुलाई । जिले के सरकारी स्कूलों में बीच में पढ़ाई छोड़ चुके बच्चों को वापस स्कूल लाया जाएगा। इसको लेकर शनिवार को हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने डीसी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। इसके बाद जिला उपायुक्त आयुष सिन्हा ने अधिकारियों को इसके लिए एक विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि पढ़ाई से कोई भी बच्चा छूटना नहीं चाहिए। इसके साथ ही निजी स्कूलों में एडमिशन को लेकर आने वाली अभिभावकों की शिकायतों के निपटारे के लिए एक पारदर्शी और जवाबदेह सिस्टम बनाने को भी कहा गया है। उन्होंने शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी स्कूलों में चल रहे निर्माण कार्य, मरम्मत और पीने के पानी की व्यवस्था को नियमित रूप से चेक किया जाए। इसके साथ ही जो प्रोजेक्ट अंतिम चरण में हैं, उन्हें जल्दी मंजूरी दिलाकर काम शुरू कराया जाए।

एम्स की टीम करेगी 14 स्वास्थ्य केंद्रों का सर्वे

गाजियाबाद, यूटर्न/ 19 जुलाई । दांतों और मुंह की स्वच्छता (ओरल हाईजीन) पर ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (एम्स) की सेंटर फॉर डेंटल एजुकेशन एंड रिसर्च (सीडीईआर) की टीम जिले के 14 स्वास्थ्य केंद्रों का सर्वे करेगी। राष्ट्रीय स्तर पर चलने वाले इस सर्वे में उत्तर प्रदेश सहित तीन राज्यों को शामिल किया गया है। उत्तर प्रदेश के आठ जिले गाजियाबाद, बरेली, हाथरस, फिरोजाबाद, फरूर्खाबाद, सुल्तानपुर, बलिया और बुलंदशहर इसमें शामिल हैं। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता ने बताया कि हर स्वास्थ्य केंद्र और आसपास के इलाके में लगभग 200 लोगों की जांच की जाएगी। अभियान अगले हफ्ते से शुरू कर दिया जाएगा।

ठगी के पीड़ितों ने सीएम आवास पर आत्मदाह की दी चेतावनी

गजेंद्र त्यागी ने आरोप लगाया कि आरोपियों को बचाने के लिए मामूली धाराएं लगाई गईं।

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 19 जुलाई

राइट अर्थ इंफ्रा एलएलपी से जुड़े कथित निवेश घोटाले के पीड़ितों ने चेतावनी दी है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो वे लखनऊ जाकर मुख्यमंत्री आवास के सामने आत्मदाह करेंगे। पीड़ितों ने पुलिस की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाते हुए शनिवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनी के चेयरमैन और निदेशक को गुपचुप तरीके से जमानत दिला दी गई।

पीड़ितों का आरोप है कि राइट अर्थ इंफ्रा एलएलपी के चेयरमैन वरुण मक्कड़ और निदेशक निधि मक्कड़ को पुलिस ने गिरफ्तार दिखाने के बाद जमानत पर छोड़ दिया। पूरी प्रक्रिया इतनी गोपनीय ढंग से हुई कि पीड़ितों को इसकी जानकारी तक नहीं मिली और वे अदालत में अपना पक्ष रखने के लिए वकील भी खड़ा नहीं कर सके।

पीड़ित चंचल त्यागी ने कहा कि गिरफ्तारी और रिहाई की जानकारी तक उन्हें नहीं दी गई। पहले ही निवेशकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है, ऊपर से आरोपियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई भी नहीं हो रही। गजेंद्र त्यागी ने आरोप लगाया कि आरोपियों को बचाने के लिए मामूली धाराएं लगाई गईं। उन्होंने मांग की कि मामले की जांच के साथ उन पुलिसकर्मियों की भूमिका की भी जांच हो, जिनकी वजह से आरोपियों को राहत मिली। उनका यह भी कहना है कि अब तक आरोपियों के बैंक खाते तक सील नहीं किए गए हैं, जो गंभीर लापरवाही है। ज्ञापन सौंपने वालों में रुचि गुप्ता, नितिन शर्मा, प्रदीप चौधरी और पवन त्यागी समेत अन्य निवेशक शामिल रहे।

वांगचुक की पत्नी कोर्ट पहुंचीं, बोलीं- सफदरजंग पर भरोसा नहीं

दिल्ली, यूटर्न/ 19 जुलाई । पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि ने सफदरजंग अस्पताल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि उनका सफदरजंग सरकारी अस्पताल पर से भरोसा उठ गया है। साथ ही उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर मामले में तत्काल सुनवाई की मांग की है।

गीतांजलि ने दावा किया कि अस्पताल ने उन्हें बताया था कि सोनम वांगचुक का पोटेशियम स्तर घटकर 2.9 रह गया है और इसे चिंताजनक व जानलेवा स्थिति बताया गया। हालांकि, अस्पताल द्वारा जारी सार्वजनिक हेल्थ बुलेटिन में वास्तविक आंकड़ा साझा नहीं किया गया और केवल इतना कहा गया कि पोटेशियम का स्तर कम हो रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि एक स्वतंत्र प्रयोगशाला की जांच में पोटेशियम स्तर 3.5 पाया गया, जो सामान्य सीमा के भीतर है। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार अनुरोध करने के बावजूद अस्पताल प्रशासन सोनम वांगचुक को डिस्चार्ज करने या उनकी पसंद के किसी निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने की अनुमति नहीं दे रहा है।

प्रताप विहार ए ब्लॉक की पहचान... टूटी सड़कें, गंदा पानी और बंद स्ट्रीट लाइटें

गाजियाबाद, यूटर्न/ 19 जुलाई । प्रताप विहार सेक्टर-11 के ए ब्लॉक में रहने वाले लोग लंबे समय से बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैं। गंगाजल की आपूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाने को खोदी गई सड़क सात माह से उसी स्थिति में है। इससे दिनभर धूल उड़ती रहती है। बारिश होने पर जलभराव और कीचड़ से जूझना पड़ता है।

क्षेत्र में लगभग 2200 घर है, जिनमें करीब 10 हजार लोग रहते हैं। इनका कहना है कि जलभराव, गंदगी, खराब स्ट्रीट लाइटों और नशाखोरों की मौजूदगी से जीवन प्रभावित हो रहा है। लोगों का आरोप है कि नगर निगम और जनप्रतिनिधियों से कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा।

स्थानीय निवासी हिमांशु ने बताया कि गंगाजल की आपूर्ति के लिए करीब सात माह पहले पाइपलाइन

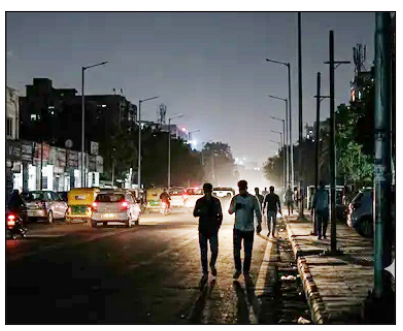

बिछाई गई थी। काम पूरा होने के बाद सड़कें नहीं बनाई गईं। कई जगह गहरे गड्ढे खुले पड़े हैं, जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी होती है। कई बच्चे इनमें गिरकर घायल भी हो चुके हैं।

पीएस चौहान के अनुसार, नालों की महीनों से सफाई नहीं हुई है। निचला इलाका होने के कारण बारिश के दौरान घरों के सामने दो से तीन फीट तक पानी भर जाता है। इससे हादसों का खतरा बना रहता है। कूड़ा उठाने वाला वाहन सुबह आता तो है, लेकिन कई बार बिना रुके निकल जाता है। मजबूरन लोग खाली जगहों पर कूड़ा फेंक देते हैं, जिससे गंदगी और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है।

रात में अंधेरा और नशाखोरों का डर

निवासियों का कहना है कि पेड़ों की छंटाई नहीं होने से स्ट्रीट लाइटें ढक गई हैं, जबकि कई लाइटें खराब पड़ी हैं। इससे रात में सड़कों पर अंधेरा पसरा रहता है। चौराहों पर नशाखोरों का जमावड़ा होने से महिलाएं और बच्चे रात में बाहर निकलने से कतराते हैं।

साई पल्लवी की नो किसिंग पॉलिसी

अभिनेत्री साई पल्लवी को हमेशा ही सादगी की मिसाल माना जाता है। अपनी सहजता और शानदार एक्टिंग से उन्होंने हमेशा ही सबका दिल जीता है। अब हाल ही में वह अपने पुराने बयान की वजह से फिर से सुर्खियों में आ गई हैं। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया था कि वह किसी भी फिल्म में ऐसे सीन करना पसंद नहीं करतीं, जिनमें किसिंग सीन हो, भले इसके लिए उन्हें बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स से क्यों न हाथ धोना पड़े। उनके इस बेबाक बयान ने सोशल मीडिया पर एक बार फिर बहस छेड़ दी है। साई पल्लवी का नाम उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में आता है जो इंडस्ट्री में अपनी शर्तों पर काम करना पसंद करती हैं। सादगी और सिद्धांतों की वजह से उन्होंने हर जगह से खूब सुर्खियां और तारीफें बटोरी हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें कभी किसी फिल्म के लिए किस करने को कहा गया है, तो साई पल्लवी ने जवाब दिया, हां। इसके बाद उन्होंने बताया कि ऐसे बहुत से फिल्म के ऑफर उन्हें आते हैं, लेकिन उन्हें पता है कि कैमरे के सामने वह कभी भी ऐसे सीन करना पसंद नहीं करतीं।

रकुल प्रीत सिंह ने की तेलुगु इंडस्ट्री की तारीफ, कहा

'बॉलीवुड से कहीं ज्यादा सपोर्टिव माहौल

जब कार्य संस्कृति की बात आती है तो रकुल प्रीत सिंह ने बॉलीवुड बनाम दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपना पक्ष चुना है। उन्होंने इस बारे में खुलकर बात की कि कैसे तेलुगु सिनेमा में अभिनेता, निर्देशक और निमार्ता एक-दूसरे का समर्थन करते हैं, जबकि बॉलीवुड में लोग असुरक्षित हैं।

रकुल प्रीत सिंह दक्षिण भारतीय सिनेमा की तरफ हैं

रकुल ने अपने अभिनय करियर की शुरूआत कन्नड़ फिल्म गिली से की और दक्षिण भारतीय सिनेमा की कई फिल्मों में अभिनय किया। 2014 में उन्होंने यारियां से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अन्य अभिनेत्रियों के विपरीत, रकुल हमेशा टॉलीवुड को श्रेय देती हैं। बॉलीवुड हंगामा के साथ एक साक्षात्कार में, अभिनेत्री ने साझा किया कि तेलुगु उद्योग हमेशा एकजुट रहा है। वे एक-दूसरे की फिल्म के ट्रेलरों का प्रचार करते हैं और प्रचार कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। वे फिल्म की सफलता का जश्न मनाने के लिए भी एक साथ आते हैं। उन्होंने कहा, 'टॉलीवुड में फिल्म निमार्ता एक-दूसरे की फिल्मों, ट्रेलरों और प्रचार कार्यक्रमों का खुलकर समर्थन करते हैं। वे प्रतिस्पर्धा के बावजूद बिना किसी हिचकिचाहट के एक-दूसरे की सफलताओं का जश्न मनाते हैं।'

रकुल ने कहा, हालांकि, बॉलीवुड में यह पहलू गायब है। उन्होंने आगे कहा कि मुंबई में ह्यनेगेटिव पीआरह्ल आम हो गया है क्योंकि इंडस्ट्री में लोग काफी असुरक्षित हैं। 'तेलुगु उद्योग बॉलीवुड उद्योग की तुलना में अधिक सहायक और एकजुट है...

रकुल ने कहा, हालांकि, बॉलीवुड में यह पहलू गायब है। उन्होंने आगे कहा कि मुंबई में ह्यनेगेटिव पीआरह्ल आम हो गया है क्योंकि इंडस्ट्री में लोग काफी असुरक्षित हैं। 'तेलुगु उद्योग बॉलीवुड उद्योग की तुलना में अधिक सहायक और एकजुट है, बॉम्बे में वे असुरक्षा और ईर्ष्या के कारण एक-दूसरे की फिल्मों का समर्थन नहीं करते हैं, इसके बजाय वे एक-दूसरे के खिलाफ नकारात्मक पीआर करते हैं। दूसरी ओर तेलुगु उद्योग में हर कोई एक-दूसरे के ट्रेलरों, फिल्मों का समर्थन करता है और एक-दूसरे की सफलता का जश्न मनाता है, अगर बॉलीवुड वह गुणवत्ता लाता है तो हम सबसे मजबूत हैं।'

उन्होंने यह कहते हुए निष्कर्ष निकाला कि यदि बॉलीवुड से नकारात्मक पीआर को हटा दिया जाए और लोग एकजुट हो जाएं, तो हिंदी सिनेमा और भी मजबूत उद्योग बन जाएगा। रकुल की बातचीत ने इंटरनेट पर एक नई बहस छेड़ दी है, हर कोई, खासकर तेलुगु प्रशंसक, टॉलीवुड को श्रेय देने के लिए अभिनेत्री की सराहना कर रहे हैं।

अभिनेत्री को आखिरी बार पति पत्नी और वो दो में आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी और सारा अली खान के साथ देखा गया था। इसके बाद, उनके रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश अभिनीत महान कृति रामायण का हिस्सा होने की खबर है। वह इस हाई-प्रोफाइल पौराणिक नाटक में सूर्पनखा की भूमिका निभा सकती हैं।

फोटो स्टोरी

बेल्जियम में फामुर्ला वन में पोल पोजिशन हासिल करने के बाद उत्साहित मर्सिडीज बेंज के चालक इटली के किमी एंटोली।

सिंधु ने यामागुची को हराकर जापान ओपन बैडमिंटन खिताब जीता

टोक्यो, यूटर्न/ 19 जुलाई । भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने मेजबान देश की खिलाड़ी अकाने यामागुची को हराकर जापान ओपन बैडमिंटन खिताब जीत लिया है। सिंधु ने महिला एकल के फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए यामागुची को सीधे गेम में 21-17, 21-17 से हराया। इसी के साथ ही सिंधु ये खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बन गयी हैं। इस जीत के साथ ही सिंधु ने 19 महीने के बाद एक बार फिर खिताबी जीत हासिल कर दिखा दिया है कि अभी उनकी लय बनी हुई है। इससे पहले उन्होंने दिसंबर 2024 में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय ट्रॉफी थी, जिसके बाद से किसी भी बड़े टूनार्मेंट में उन्हें जीत नहीं मिली। जापान ओपन की यह ट्रॉफी 2019 में विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीतने के बाद उनकी सबसे बड़ी खिताबी जीत मानी जा रही है। सिंधु ने मुकाबले में शुरूआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। पहले गेम में उन्होंने यामागुची को 21-17 से हराया। दूसरे गेम में भी सिंधु ने अपनी स्मैश और कोर्ट कवरेज का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए यामागुची को बैकफुट पर धकेल दिया। सिंधु ने 21-17 से दूसरा गेम भी जीतने के साथ ही खिताब अपने नाम किया। ये सिंधु और अकाने यामागुची के बीच 30वां मुकाबला था। इस मुकाबले से पहले हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में यामागुची का पलड़ा भारी था पर इस शानदार जीत के साथ सिंधु ने अपने आंकड़े को और बेहतर किया है।

ऐसी टीम के साथ काम करना गर्व की बात

इंग्लैंड के ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर बोले कोच ट्यूशेल

» **मियामी, यूटर्न/ 19 जुलाई ।**

इंग्लैंड के हेड कोच थॉमस ट्यूशेल ने तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में फ्रांस पर 6-4 की शानदार जीत के बाद टीम की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने मुश्किल हालात में जिस जज्बे और मानसिक मजबूती का परिचय दिया, वह काबिल-ए-तारीफ है। ट्यूशेल के अनुसार, ऐसा लड़ने का जज्बा दिखाने वाली टीम को खेलते देखना किसी भी कोच के लिए गर्व की बात होती है। मियामी में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले हाफ में ही 4-0 की मजबूत बढ़त बना ली थी। टीम की ओर से बुकायो साका ने शानदार हैट्रिक लगाई, जबकि बाकी खिलाड़ियों ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया।

दूसरे हाफ में फ्रांस ने जोरदार वापसी की। एम्बाप्पे ने टीम की ओर से दो गोल दागे, जबकि बारकोला और उस्मान डेम्बेले ने एक-एक गोल किया। हालांकि, इंग्लैंड ने जूड बेलिंगहम द्वारा इंजरी टाइम में किए गए छठे गोल की बदौलत मैच को आसानी से अपने नाम करते हुए ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। 1966 में विश्व कप का खिताब जीतने के बाद यह इंग्लैंड का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। इससे पहले, 1990 में इंग्लैंड चौथे स्थान पर रहा था, जबकि 2018 विश्व कप में भी टीम ने टूनार्मेंट का अंत चौथे स्थान पर रहते हुए ही किया था। मैच के बाद ट्यूशेल ने कहा कि पहले हाफ में उनकी टीम ने शानदार खेल दिखाया, लेकिन दूसरे हाफ में मुकाबला काफी कठिन हो गया था। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों पर लगातार मैच खेलने का असर साफ दिखाई दे रहा था और टीम शारीरिक रूप से काफी थकी हुई थी। इसके बावजूद प्लेयर्स ने हार नहीं मानी और अंत तक पूरे जोश के साथ खेलते रहे।

ट्यूशेल ने कहा कि फ्रांस को रिकवरी के लिए एक दिन ज्यादा मिला था और उन्हें इंग्लैंड की तुलना में कम यात्रा भी करनी पड़ी थी। वहीं, इंग्लैंड को पूरे टूनार्मेंट के दौरान गर्म मौसम, लंबी यात्राओं और कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। दूसरे हाफ में कई खिलाड़ियों को थकान और क्रैम्प्स की परेशानी हुई, लेकिन किसी ने भी हिम्मत नहीं छोड़ी।

उन्होंने कहा कि उन्हें खिलाड़ियों की फिटनेस की चिंता जरूर थी, लेकिन टीम की मानसिक ताकत पर कभी संदेह नहीं

हुआ। उनके मुताबिक, इस टीम ने पूरे टूनार्मेंट में बार-बार साबित किया कि वह दबाव में भी शानदार प्रदर्शन करने की क्षमता रखती है। इंग्लैंड का सेमीफाइनल तक पहुंचना भी एक बड़ी उपलब्धि रही। पुरुष और महिला टीमों ने पिछले चार बड़े अंतरराष्ट्रीय टूनार्मेंटों में लगातार सेमीफाइनल तक पहुंचकर अपनी काबिलियत को लगातार साबित किया है।

हालांकि, इंग्लैंड सेमीफाइनल में अर्जेंटीना से हारकर फाइनल में जगह नहीं बना सका, लेकिन ट्यूशेल का मानना है कि ब्रॉन्ज मेडल जीतने से टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने जिस तरह अंत तक संघर्ष किया, उसे देखकर उन्हें नई ऊर्जा मिली है। ट्यूशेल ने कहा कि ऐसी टीम के साथ काम करना गर्व की बात है, क्योंकि यह टीम कभी हार नहीं मानती और हर चुनौती का डटकर सामना करती है।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

दो सैनिकों की मौत के बाद भड़के अमेरिका ने ईरान पर किए ताबड़तोड़ हमले

खाड़ी में फिर बढ़ा महायुद्ध का खतरा

» **वॉशिंगटन, यूटर्न/ 19 जुलाई ।**

अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य संघर्ष अब और गंभीर होता जा रहा है। अमेरिकी सेना ने रविवार को ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के ठिकानों पर नए हवाई हमले शुरू किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, इन हमलों का उद्देश्य ईरान को जवाब देना और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तेल टैंकरों की आवाजाही बाधित करने की उसकी कोशिशों को रोकना है। यह कार्रवाई जॉर्डन में हुए उस हमले के जवाब में की गई, जिसमें दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई, एक सैनिक लापता है और चार अन्य घायल होकर अस्पताल में भर्ती हैं।

ईरान के दक्षिणी होरमोज्गान प्रांत के सिरिक क्षेत्र में तड़के करीब 1:30 बजे अमेरिकी बमबारी की सूचना मिली। युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार किसी सीधे ईरानी हमले में अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई है। अब तक इस संघर्ष में 16 अमेरिकी सैनिकों की जान जा चुकी है, जबकि 430 से अधिक घायल बताए गए हैं। संघर्ष का दायरा अब ईरान और अमेरिका तक सीमित नहीं रहा। इराक के उत्तरी कुर्द क्षेत्र की राजधानी इरबिल में एक कुर्दिश विद्रोही संगठन के ठिकाने पर ड्रोन हमला हुआ, जिसमें आठ लोग घायल हो गए। पिछले चार दिनों से इरबिल में लगातार धमाकों की घटनाएं सामने आ रही हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब इराक के नए प्रधानमंत्री हाल ही में अमेरिका के दौरे से लौटे हैं। दूसरी ओर, कुवैत में भी ईरानी हमलों से भारी नुकसान हुआ है। एक तेल संयंत्र और समुद्री जल को पेयजल में बदलने वाले डीसैलिनेशन प्लांट को निशाना बनाया गया। कुवैत अपनी पेयजल जरूरतों का लगभग 90 प्रतिशत इसी संयंत्र से पूरा करता है। हमले के बाद बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ और आग बुझाने के दौरान कई कर्मचारी तथा दमकलकर्मी घायल हो गए। सुरक्षा कारणों से कुवैत ने कुछ समय के लिए अपना हवाई क्षेत्र भी बंद कर दिया। वहीं, जॉर्डन और इराक ने दावा किया है कि उन्होंने अपने हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने वाली कई ईरानी मिसाइलों और ड्रोन को मार गिराया।

ईरान के हमले के बाद खाड़ी देशों में पानी के संकट की आशंका, डिसेलिनेशन प्लांट बने नई चिंता

कुवैत सिटी, यूटर्न/ 19 जुलाई । पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच अब चिंता केवल तेल, गैस और होर्मुज जलडमरूमध्य तक सीमित नहीं रही है। ईरान के ताजा हमले ने इस क्षेत्र के लिए एक नए खतरे की ओर ध्यान खींचा है, जो पीने के पानी की आपूर्ति से जुड़ा है। शुक्रवार को कुवैत के एक बिजली और डिसेलिनेशन (समुद्र के खारे पानी को पीने योग्य बनाने वाले) संयंत्र को निशाना बनाए जाने के बाद पूरे खाड़ी क्षेत्र में जल सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। हमले में बिजली उत्पादन की कई इकाइयों को नुकसान पहुंचा और परिसर में आग लग गई। हालांकि कुवैती अधिकारियों ने आग पर काबू पाने और आपातकालीन योजना लागू करने की जानकारी दी है, लेकिन इस घटना ने पानी की आपूर्ति व्यवस्था की संवेदनशीलता को उजागर कर दिया है। खाड़ी के अधिकांश देशों में प्राकृतिक मीठे पानी के स्रोत बेहद सीमित हैं।

भारत ने अजरबैजान में विश्व धरोहर स्थलों की एक स्थायी प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

बाकू, यूटर्न/ 19 जुलाई । अजरबैजान में भारत के दूतावास९ने बाकू स्थित अपने परिसर में भारत की यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स (विश्व धरोहर स्थलों) पर एक स्थायी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। यह प्रदर्शनी भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर को दर्शाती है और साथ ही भारत और अजरबैजान के बीच लोगों के आपसी और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करती है। शनिवार को आयोजित इस खास कार्यक्रम में कई देशों के राजदूत और राजनयिक, अजरबैजान की संसद के सदस्य, व्यापार जगत के प्रतिनिधि, टूर और ट्रैवल ऑपरेटर, प्रमुख मीडिया संगठन, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और भारतीय समुदाय के लोग शामिल हुए। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन संयुक्त रूप से अजरबैजान में भारत के राजदूत अभय कुमार और यूएन-हैबिटैट अजरबैजान की कंट्री प्रोग्राम हेड एना सोएव ने किया। दोनों ने मिलकर 17 प्रदर्शनी पैनलों का अनावरण किया, जिनमें भारत के सबसे मशहूर सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थलों को दिखाया गया है। इन स्थलों को उनके असाधारण वैश्विक महत्व के कारण यूनेस्को से मान्यता मिली हुई है। सभा को संबोधित करते हुए राजदूत कुमार ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे पुरानी लगातार चलने वाली सभ्यताओं में से एक है, जिसकी सांस्कृतिक विरासत हजारों साल पुरानी है। उन्होंने बताया कि भारत में यूनेस्को की 44 विश्व धरोहर स्थल हैं, जिनमें 36 सांस्कृतिक स्थल, सात प्राकृतिक स्थल और एक मिश्रित स्थल शामिल हैं। यह न केवल भारत की असाधारण विरासत को बल्कि मानवता की साझा विरासत को भी दर्शाते हैं। राजदूत कुमार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर जगहों जैसे प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय, मशहूर ताजमहल, सांची में बौद्ध स्मारक और हम्पी व खजुराहो के शानदार मंदिर परिसरों का जिक्र किया, जो भारत की विविध सभ्यतागत यात्रा, कलात्मक उत्कृष्टता और वास्तुकला की शानदार मिसाल हैं।

यूक्रेन का रूस पर जवाबी हमला, तेल ठिकानों और ह्यशैडो फ्लीटह्ल को बनाया निशाना

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 जुलाई ।**

रूस के अब तक के सबसे घातक हमले के जवान में यूक्रेन ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। राष्ट्रपति व्लोदिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि यूक्रेन रूस के हमलों का पूरी तरह उचित और सटीक जवाब दे रहा है। उन्होंने दावा किया कि यूक्रेनी बलों ने रूस के कई रणनीतिक ठिकानों और ईंधन केंद्रों को निशाना बनाया है।' यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्ल पोस्ट में लिखा, ह्यह्लहम रूस के हमलों का पूरी तरह उचित और सटीक तरीके से जवाब देना जारी रखे हुए हैं। सोमवार को यूक्रेन की लंबी दूरी की कार्रवाई ने उन तय किए गए ठिकानों को निशाना बनाया जो रूस की आक्रामकता को समर्थन देते हैं और उसके लिए वित्तीय मदद जुटाते हैं ह्लह्ल

जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन की सुरक्षा सेवा (एसएसयू) की इकाइयों ने स्तावरोपोल क्षेत्र में एक साथ तीन तेल भंडारण केंद्रों पर हमला किया, जबकि हमारी सशस्त्र सेनाओं की इकाइयों ने इसी क्षेत्र में एक और ईंधन केंद्र को निशाना बनाया। काला सागर में रूस के तथाकथित ह्यशैडो फ्लीटह्ल के तीन टैंकरों पर सीधे हमले दर्ज किए गए।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि मैं हमारी हर उस इकाई का धन्यवाद करता हूं जो रूस को यह एहसास दिलाने में मदद कर रही है कि इस युद्ध का अंत होना चाहिए।

रूस ने रविवार को यूक्रेन के बैलिस्टिक मिसाइलों से ताबड़तोड़ हमला कयिा। रविवार को करीब पांच घंटे तक चले इस भीषण हवाई हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 16 अन्य घायल हो गए।

यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, रूस ने कीव पर लगभग 40 इस्कंदर-एम और हाइपरसोनिक जिरकॉन मिसाइलें दागीं। रात करीब 1:30 बजे (स्थानीय समयानुसार) हवाई हमले का सायरन बजा, जिसके तुरंत बाद वायु रक्षा प्रणालियां सक्रिय हो गईं। कुछ ही मिनटों में लगातार धमाकों और विस्फोटों की आवाजें सुनाई देने लगीं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इसे अब तक के बड़े हमलों में से एक करार दिया है। हमले के कारण शहर के कई हिस्सों में आग लग गई और इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा।

शनिवार को यूक्रेनी ड्रोन हमलों में मास्को और तांबोव क्षेत्रों के ई-कॉमर्स गोदामों को निशाना बनाया गया था, जहां आठ लोगों की मौत हुई और कई स्थानों पर भीषण आग लग गई थी। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दावा किया कि इन लॉजिस्टिक्स केंद्रों का उपयोग ड्रोन निर्माण और नेविगेशन उपकरणों के लिए प्रतिबंधित पुर्जों की आपूर्ति में किया जा रहा था।

संक्षिप्त खबरें

जॉर्डन में ईरानी हमले में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत, एक लापता

वाशिंगटन, यूटर्न/ 19 जुलाई । जॉर्डन में अमेरिकी और सहयोगी देशों के सैन्य ठिकानों पर ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल एवं ड्रोन हमलों में दो अमेरिकी सैनिक मारे गये हैं और एक अन्य सैनिक लापता है। अमेरिकी सेना ने रविवार (भारतीय समयानुसार) को यह जानकारी दी। मार्च के बाद यह पहली बार है जब ईरान की प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई में अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई है। अमेरिकी केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि 17 जुलाई को जॉर्डन में अमेरिकी और सहयोगी बल ईरानी मिसाइल एवं ड्रोन हमलों को विफल करने के दौरान दो अमेरिकी सैनिक मारे गये और एक सैनिक लापता हो गया। सेंटकॉम के अनुसार, चार अन्य अमेरिकी सैनिकों को उपचार के लिए जॉर्डन के अस्पतालों में भर्ती कराया गया था, जिन्हें बाद में छुट्टी दे दी गई। कुछ अन्य सैनिकों को मामूली चोटें आईं और वे फिर से ड्यूटी पर लौट आये हैं।

अमेरिका ने सऊदी अरब को यूरेनियम संवर्धन की प्रारंभिक मंजूरी दी : रिपोर्ट

मॉस्को, यूटर्न/ 19 जुलाई । अमेरिका ने सऊदी अरब को यूरेनियम संवर्धन की प्रारंभिक मंजूरी दे दी है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मौजूदा मसौदा समझौते में परमाणु हथियारों के विकास को रोकने संबंधी कोई प्रतिबंधात्मक प्रावधान शामिल नहीं है। सीएनएन ने दस्तावेजों और मामले से जुड़े सूत्रों के हवाले से बताया कि सऊदी अरब के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम के लिए अमेरिकी सहयोग से संबंधित मसौदा समझौता अभी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर का इंतजार कर रहा है, जबकि इस पर बातचीत अक्टूबर 2025 में पूरी हो गयी थी।

शांति समझौते का उल्लंघन ट्रंप के हस्ताक्षर को अमान्य साबित करता है: मोजतबा खामेनेई

» **तेहरान, यूटर्न/ 19 जुलाई ।**

अमेरिका और ईरान में जारी हमलों के बीच ईरानी सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने कहा कि ईरान के साथ हाल ही में हस्ताक्षर किए गए शांति समझौते का अमेरिका की ओर से उल्लंघन किया जाना एक बार फिर यह साबित करता है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साइन की कोई कीमत नहीं है और वह अमान्य है।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने ईरानी मीडिया में छपे एक लेख के हवाले से बताया कि मोजतबा खामेनेई ने ईरानी लोगों के नाम एक संबोधन दिया, जिसमें अमेरिका के साथ एमओयू पर ये बयान दिया। इस संबोधन के दौरान उन्होंने देश के जरूरी मुद्दों पर बात की।

खामेनेई ने कहा, 'दोनों देशों के बीच एमओयू पर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन और ट्रंप ने 18 जून को हस्ताक्षर किया था। अमेरिकी की तरफ से इसका उल्लंघन एक बार फिर सभी को यह बात साबित कर देता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति का हस्ताक्षर कितना अमूल्य और अमान्य है।'

उन्होंने कहा कि अमेरिका ने एक बार फिर अपना असली और बेपर्दा चेहरा दिखाया है। अपराध और वादे तोड़ने का यह बुरा अनुभव अमेरिका के झूठ बोलने और उसके बेतुके, गैर भरोसेमंद प्रकृति का एक और पक्का सबूत है।

ईरानी सुप्रीम ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका युद्ध भड़काने वाली हरकतें जारी रखता है तो उसे ईरान से कभी न भूलने वाले सबक की उम्मीद करनी चाहिए।

ईरान के खुजेस्तान प्रांत में भूकंप: तीव्रता 5.0 दर्ज, आपात सेवाएं अलर्ट पर

» **तेहरान, यूटर्न/ 19 जुलाई ।**

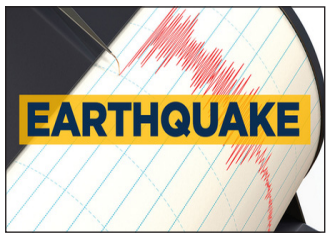

ईरान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत खुजेस्तान में रविवार सुबह 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद प्रशासन ने पूरे क्षेत्र में आपात सेवाओं को हाई अलर्ट पर कर दिया है। प्रांत के गवर्नर सैयद मोहम्मद रजा मौलाइजादेह ने कहा कि उन्होंने बचाव और राहत कार्यों में जुटी सभी एजेंसियों को पूरी तरह सक्रिय रहने के निर्देश जारी कर दिए हैं। साथ ही, किसी भी संभावित आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी संबंधित विभागों को तैयार रहने को कहा गया है।

ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने तेहरान विश्वविद्यालय के भूकंप विज्ञान केंद्र के हवाले से बताया कि यह भूकंप लगभग 12 किलोमीटर (7.5 मील) की गहराई में आया। झटके महसूस होने के बाद स्थानीय प्रशासन ने तुरंत राहत और बचाव टीमों को प्रभावित इलाकों में भेज दिया, ताकि स्थिति का जल्द से जल्द आकलन किया जा सके।

गवर्नर मौलाइजादेह ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में सर्वेक्षण दल लगातार निरीक्षण कर रहे हैं और अब तक किसी भी स्थान से जनहानि या बड़े पैमाने पर संपत्ति के नुकसान की सूचना नहीं मिली है।

उन्होंने कहा कि सभी संबंधित कार्यकारी संस्थाएं पूरी सतर्कता के साथ काम कर रही हैं और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। यह भूकंप ऐसे समय में आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर है।

दोनों देशों के बीच संघर्षविराम (सीजफायर) टूटने के बाद पिछले एक सप्ताह से सैन्य कार्रवाई और जवाबी हमलों का सिलसिला जारी है। अमेरिकी सेना लगातार ईरान के विभिन्न ठिकानों को निशाना बना रही है, जबकि तेहरान भी खाड़ी क्षेत्र में स्थित कई अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले कर चुका है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *